दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

2009 से स्थापित

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'धैर्य से लिया गया सही निर्णय, जल्दबाज़ी में लिए गए सौ निर्णयों से अधिक मूल्यवान होता है। समय हर घाव भर देता है, लेकिन विवेक ही भविष्य संवारता है। इसलिए परिस्थितियों के शोर में नहीं, अपने अंतर्मन की शांति में निर्णय लेना सीखिए–यही सफलता, सम्मान और संतुलित जीवन का सबसे मजबूत आधार है।'

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-218 | झुंझुनू (राजस्थान) | गुरूवार, 2 जुलाई, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

ज्ञानः विपरीत परिस्थितियों में मनुष्य का सबसे बड़ा सुरक्षा कवच

जीवन का स्वभाव परिवर्तनशील है। सुख और दुःख, सफलता और असफलता, लाभ और हानि–ये सभी जीवन के अभिन्न अंग हैं। कोई भी व्यक्ति ऐसा नहीं है जिसने कभी कठिन परिस्थितियों का सामना न किया हो। परिस्थितियाँ कभी अनुकूल होती हैं तो कभी प्रतिकूल, लेकिन इतिहास इस बात का साक्षी है कि मनुष्य को महान बनाने वाली उसकी परिस्थितियाँ नहीं, बल्कि उन परिस्थितियों का सामना करने की उसकी क्षमता होती है। यही क्षमता ज्ञान, विवेक और आत्मविश्वास से जन्म लेती है। इसलिए कहा जाता है कि ज्ञान वह संपत्ति है, जो विपरीत परिस्थितियों में भी मनुष्य का साथ कभी नहीं छोड़ती। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

भौतिक संपत्ति कभी भी नष्ट हो सकती है। धन चोरी हो सकता है, व्यवसाय बंद हो सकता है, पद और प्रतिष्ठा छिन सकती है, लेकिन ज्ञान ऐसी अमूल्य पूंजी है जिसे कोई चुरा नहीं सकता। यह जितना अधिक बाँटा जाता है, उतना ही बढ़ता है। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति में ज्ञान को धन से कहीं अधिक मूल्यवान माना गया है। माँ सरस्वती की आराधना इसी सत्य का प्रतीक है कि ज्ञान ही मनुष्य को वास्तविक अर्थों में समृद्ध बनाता है। आज के समय में अधिकांश लोग सफलता को केवल धन, पद और भौतिक उपलब्धियों से जोड़कर देखते हैं। लेकिन जब जीवन में संकट आता है, तब यही बाहरी साधन अक्सर असहाय दिखाई देते हैं। उस समय यदि कोई शक्ति व्यक्ति को टूटने से बचाती है, तो वह उसका ज्ञान, अनुभव और विवेक होता है। ज्ञान व्यक्ति को परिस्थितियों का सही विश्लेषण करना सिखाता है। वह घबराहट के स्थान पर धैर्य, निराशा के स्थान पर आशा और भ्रम के स्थान पर सही निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करता है। वास्तव में शिक्षा केवल विद्यालयों और विश्वविद्यालयों तक सीमित नहीं है। जीवन स्वयं सबसे बड़ा विद्यालय है। हर अनुभव, हर असफलता, हर संघर्ष और हर ठोकर मनुष्य को कुछ न कुछ सिखाती है। जो व्यक्ति अपनी गलतियों से सीख लेता है, वही भविष्य में अधिक परिपक्व बनता है। इसलिए कठिन परिस्थितियाँ केवल परीक्षा नहीं लेतीं, बल्कि व्यक्ति के व्यक्तित्व का निर्माण भी करती हैं। भारतीय इतिहास में अनेक ऐसे उदाहरण हैं जहाँ ज्ञान ने परिस्थितियों को पराजित किया। संविधान निर्माता डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर ने सामाजिक भेदभाव, आर्थिक अभाव और अपमान के असंख्य अनुभवों का सामना किया। यदि वे परिस्थितियों के आगे हार मान लेते, तो शायद भारत को इतना सशक्त संविधान नहीं मिल पाता। उन्होंने शिक्षा को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाया और अपने ज्ञान के बल पर न केवल स्वयं को ऊँचाइयों तक पहुँचाया, बल्कि करोड़ों वंचित लोगों के अधिकारों की रक्षा का मार्ग भी प्रशस्त किया। इसी प्रकार डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम साधारण परिवार में जन्मे, लेकिन ज्ञान के प्रति उनकी जिज्ञासा और निरंतर अध्ययन ने उन्हें भारत का महान वैज्ञानिक और राष्ट्रपति बनाया। महात्मा ज्योतिराव फुले, सावित्रीबाई फुले और अनेक समाज सुधारकों ने भी विपरीत परिस्थितियों के बीच ज्ञान को परिवर्तन का माध्यम बनाया। इन सभी महान व्यक्तित्वों का जीवन हमें यह संदेश देता है कि कठिन परिस्थितियाँ व्यक्ति की क्षमता को समाप्त नहीं करतीं, बल्कि उसे निखारने का अवसर देती हैं। आज डिजिटल युग में जानकारी प्राप्त करना आसान हो गया है, लेकिन ज्ञान अर्जित करना अभी भी उतना ही कठिन है। इंटरनेट पर उपलब्ध सूचनाएँ तभी उपयोगी हैं जब उन्हें विवेक के साथ समझा और जीवन में उतारा जाए। केवल जानकारी इकट्ठा कर लेना ज्ञान नहीं है। वास्तविक ज्ञान वह है जो व्यक्ति को सही और गलत का निर्णय करने की क्षमता दे, नैतिक मूल्यों का बोध कराए और समाज के प्रति उत्तरदायित्व का भाव विकसित करे।

दुर्भाग्य से आज का समाज तात्कालिक सफलता की ओर अधिक आकर्षित हो रहा है। युवा वर्ग शीघ्र परिणाम चाहता है और थोड़ी सी असफलता मिलने पर निराश हो जाता है। ऐसे समय में आवश्यकता इस बात की है कि हम युवाओं को केवल रोजगारपरक शिक्षा ही नहीं, बल्कि जीवनोपयोगी ज्ञान भी दें। उन्हें यह सिखाएँ कि कठिनाइयाँ जीवन का अंत नहीं, बल्कि आत्मविकास की शुरुआत होती हैं। यदि ज्ञान साथ है, तो हर संकट का समाधान संभव है। ज्ञान व्यक्ति के भीतर आत्मविश्वास का निर्माण करता है। जब मनुष्य को अपनी क्षमता और विवेक पर विश्वास होता है, तब वह परिस्थितियों का गुलाम नहीं बनता, बल्कि उनका नेतृत्व करता है। यही ज्ञान उसे अंधविश्वास, भय, अफवाह और भ्रम से बचाता है। ज्ञान व्यक्ति को केवल सफल नहीं बनाता, बल्कि संवेदनशील, नैतिक और उत्तरदायी नागरिक भी बनाता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम शिक्षा को केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम न मानें, बल्कि जीवन को बेहतर बनाने का साधन बनाएँ। पुस्तकों का अध्ययन, श्रेष्ठ व्यक्तियों के जीवन से प्रेरणा, सतत सीखने की आदत और अनुभवों से शिक्षा ग्रहण करना–ये सभी ज्ञान के वास्तविक स्रोत हैं। जो व्यक्ति जीवन भर सीखता रहता है, वही समय की हर चुनौती का सामना करने में सक्षम होता है।

अंततः, परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, यदि मनुष्य के पास ज्ञान, विवेक और आत्मविश्वास है तो वह हर संकट से बाहर निकल सकता है। धन, पद और वैभव क्षणिक हो सकते हैं, लेकिन ज्ञान जीवनभर साथ रहने वाला ऐसा सुरक्षा कवच है, जो व्यक्ति को अंधकार से प्रकाश, निराशा से आशा और पराजय से विजय की ओर ले जाता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति का सबसे बड़ा निवेश अपने ज्ञान और चरित्र का विकास होना चाहिए, क्योंकि यही वह अमूल्य संपत्ति है जो हर परिस्थिति में मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति बनकर उसके साथ खड़ी रहती है।

अगस्त में होगी नेशनल कॉन्फ्रेंस

सीकर में देशभर की 11 यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर-स्पीकर जुटेंगेः शेखावाटी के इतिहास, कला-संस्कृति पर करेंगे चर्चा

भीम प्रज्ञा न्यूज

सीकर । सीकर में देश की 11 यूनिवर्सिटी के टॉप प्रोफेसर, स्पीकर और शोधकर्ता जुटेंगे। अगस्त महीने में 3 दिन की नेशनल कॉन्फ्रेंस में शेखावाटी के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, प्राचीन भित्ति चित्रों और मूर्तिकला पर शोध और चर्चा की जाएगी। सीकर स्थित त्रिलोक सिंह रीसर्च और डवलपमेंट संस्थान के तत्वावधान में यह कॉन्फ्रेंस होगी। इस एकेडमिक आयोजन में देश के विभिन्?न इतिहासकार शेखावाटी के छिपे हुए ऐतिहासिक पहलुओं और नई खोज की संभावनाओं पर मंथन करेंगे। संस्थान के सचिव केडी नेहरा ने बताया- 3 दिन के आयोजन में विभिन्न सत्र होंगे, जिन्हें स्पीकर्स व प्रोफेसर संबोधित करेंगे। पहले दिन पूरा सत्र समग्र भारतीय इतिहास के विभिन्न पहलुओं, राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य और शोध प्रवृत्तियों पर फोकस रहेगा। दूसरे दिन सभी प्रतिभागी इतिहासकार और शोधार्थी शेखावाटी अंचल के ऐतिहासिक स्थलों का ऑन-फील्ड (धरातलीय) भ्रमण करेंगे। इस दौरान शेखावाटी क्षेत्र की विश्वप्रसिद्ध मूर्तिकला, प्राचीन शिलालेखों, महत्वपूर्ण तीर्थ स्थलों और शेखावाटी की हवेलियों में बने दुर्लभ भित्ति चित्रों (फेस्को पेंटिंग्स) की बारीकी से सर्वे व स्टडी की जाएगी। नेशनल

कॉन्फ्रेंस का अंतिम दिन शेखावाटी के इतिहास पर केंद्रित होगा। अंतिम दिन शेखावाटी के नए ऐतिहासिक साक्ष्यों और भविष्य में खोज की संभावनाओं पर चर्चा की जाएगी।

8 जुलाई को देंगे सूचना

सचिव नेहरा ने बताया- इस सेमिनार की मुख्य थीम (विषय) और विस्तृत कार्यक्रम की आधिकारिक सूचना 8 जुलाई को जारी की जाएगी। 8 जुलाई को आयोजित होने वाले प्रारंभिक कार्यक्रम की अध्यक्षता अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (अ) के हिस्ट्री डिपार्टमेंट के E& HOD बीएल भादानी करेंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बुधवार को शिक्षाविद् शिवनाथ सिंह भड़िया, संस्थान के चेयरमैन गणेश बेरवाल, और एडवोकेट (वकील) सूरजभान सिंह मौजूद थे।

मनरेगा को फिर बहाल करने की मांग, कलेक्ट्रेट पर तनातनी

अखिल भारतीय किसान सभा का प्रदर्शन; अतिक्रमण कार्रवाई पर उठाए सवाल

भीम प्रज्ञा न्यूज

झुंझुनूं । अखिल भारतीय किसान सभा ने झुंझुनूं में प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोला। शहर में बुधवार को रैली निकालकर मनरेगा बहाली समेत कई मांगें रखी गई। रैली मुख्य मार्गों से होते हुए कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंची। जहां प्रदर्शनकारियों ने कलेक्ट्रेट में घुसने की कोशिश की। इस दौरान पुलिस-प्रदर्शनकारियों में तनातनी हो गई। राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन में कई अन्य प्रमुख मांगें रखी गई। किसान सभा ने आरोप लगाया कि सुनियोजित साजिश के तहत मनरेगा को खत्म किया जा रहा है। फंड में कटौती और नियमों में बदलाव के कारण यह योजना दम तोड़ रही है। सरकार योजना को फिर से बहाल करे।

पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई तनातनी

रैली जैसे ही कलेक्ट्रेट के मुख्य द्वार पर पहुंची, प्रदर्शनकारी उग्र हो गए और बैरिकेड्स लांघकर अंदर घुसने की कोशिश करने लगे। इस दौरान वहां तैनात पुलिस बल ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक हुई और स्थिति आमने-सामने के टकराव जैसी बन गई।

अतिक्रमण कार्रवाई पर उठाए सवाल

वक्ताओं ने कहा- अतिक्रमण के नाम पर गरीबों के घरों और धार्मिक स्थलों को तोड़ा जा रहा है। यह कार्रवाई तत्काल बंद की जाए। किसानों को एमएस स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के अनुरूप एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) को कानूनी गारंटी दी जाए। वर्ष 2022-23 की रबी फसल के शेष मुआवजे का भुगतान तुरंत किया जाए।

पेड़ लगाना भविष्य को सुरक्षित करना है: एसबीआई बुहाना में वृक्षारोपण अभियान

बैंक परिसर में फलदार पौधे रोपे, पर्यावरण संरक्षण और जल बचाने का लिया संकल्प

भीम प्रज्ञा न्यूज़ बुहाना।

वर्षा ऋतु के आगमन के साथ पर्यावरण संरक्षण और जल संवर्धन का संदेश देते हुए भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) शाखा, बुहाना में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान बैंक परिसर में फलदार एवं छायादार पौधे रोपकर उनके संरक्षण एवं नियमित देखभाल का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में शाखा प्रबंधक मुकेश यादव ने कहा कि 'पेड़ लगाना केवल पर्यावरण संरक्षण नहीं, बल्कि वर्षा को आमंत्रित करने और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करने का माध्यम है। जल ही जीवन है और जल संकट से बचने का सबसे प्रभावी उपाय अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना है।' उन्होंने कहा कि जिस प्रकार बैंक ग्राहकों की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करता है, उसी प्रकार पेड़-पौधे मानव जीवन को ऑक्सीजन, शुद्ध वातावरण और प्राकृतिक संतुलन प्रदान कर जीवन

की वास्तविक सुरक्षा करते हैं। उन्होंने बैंक के ग्राहकों और आमजन से आह्वान किया कि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए तथा उसे पेड़ बनने तक उसकी देखभाल की जिम्मेदारी भी निभाए। कार्यक्रम के दौरान लगाए गए पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी भी बैंक कर्मचारियों को सौंपी गई। वक्ताओं ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और भूजल संकट से निपटने के लिए वृक्षारोपण एक जन आंदोलन बनना चाहिए। यदि प्रत्येक नागरिक पौधारोपण के साथ उसके संरक्षण का भी संकल्प ले, तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, हरित और सुरक्षित वातावरण मिल सकेगा। इस अवसर पर सहायक प्रबंधक तरुण रूनवाल, सहायक प्रबंधक दीपक, आनंद, अनमोल, राजेंद्र, मुकेश (गार्ड) तथा एडवोकेट मुकेश कलवा सहित बैंक कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिकाधिक वृक्ष लगाने और उनके संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया।

चिड़ावा में अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय पदाधिकारियों का भव्य अभिनंदन

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

मुख्य बाजार में कैलाश सुलतानिया के संयोजन में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री गोपाल गोयल और राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष नत्थूराम जैन का भव्य अभिनंदन किया गया। दोनों पदाधिकारी सपत्नीक चिड़ावा आए थे। कार्यक्रम के दौरान अग्रवाल समाज के राष्ट्रीय धर्म गुरु वाणीभूषण पंडित प्रभुशरण तिवाड़ी के सानिध्य में दोनों अतिथियों और उनकी पत्नियों का पारंपरिक रूप से दुपट्टा ओढ़ाकर स्वागत किया। इसके साथ ही उन्हें स्मृति चिन्ह और भागवत मंगल पाठ भेंट कर सम्मानित किया गया।

धार्मिक जागृति और एकजुटता पर बल

अभिनंदन से अभिभूत होकर राष्ट्रीय महामंत्री गोपाल गोयल और राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष नत्थूराम जैन ने समाज को संबोधित किया। दोनों पदाधिकारियों ने अग्रवाल समाज में धार्मिक जागृति लाने की आवश्यकता पर जोर दिया। समाज बंधुओं को हर स्तर पर एकजुट रहने और आपसी समन्वय बढ़ाने का संदेश दिया। क्षेत्र में समाज द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों और सामाजिक गतिविधियों की समीक्षा की और आगामी योजनाओं पर चर्चा की।

दस्तावेज दुरुस्ती के लिए शिविर लगाने की मांग

कार्यक्रम के संयोजक कैलाश सुलतानिया ने इस मौके पर समाज के सामने आ रही व्यावहारिक दिक्कतों को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने मांग रखी कि 'प्रत्येक जिला और तहसील स्तर पर डॉक्यूमेंट्स (दस्तावेज) दुरुस्ती के लिए ब्लॉक और जिला स्तरीय विशेष शिविर लगाए जाने चाहिए, ताकि अग्रवाल समाज के विद्यार्थियों और आम लोगों को सरकारी व सामाजिक कागजातों को ठीक करवाने में आसानी हो और वे योजनाओं का पूरा लाभ उठा सकें।' कार्यक्रम के समापन के बाद दोनों राष्ट्रीय पदाधिकारी दिल्ली के लिए रवाना हो गए। इस दौरान स्थानीय अग्रवाल समाज के कई गणमान्य लोग और कार्यकर्ता मौजूद रहें।

सेवानिवृत्ति पर अध्यापक मांगेलाल काला का सम्मान, विद्यालय को दिए 51 हजार रुपए

भीम प्रज्ञा न्यूज.पिलानी।

ग्राम पंचायत झेरली स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में अध्यापक मांगेलाल काला के राजकीय सेवा से सेवानिवृत्त होने पर भावभीना विदाई एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार, विद्यार्थियों, ग्रामीणों और परिजनों ने उनका अभिनंदन करते हुए उनके लंबे, समर्पित एवं प्रेरणादायी सेवाकाल को याद किया।समारोह में विद्यालय स्टाफ ने मांगेलाल काला, उनकी धर्मपत्नी चांदकौर, पुत्र मुकेश (जेईएन, रेलवे दिल्ली) एवं विकास (असिस्टेंट मैनेजर, ईएसआईसी जयपुर), पुत्रवधु डॉ. प्रिया (मेडिकल ऑफिसर, सीकर) एवं अंजलि, पुत्री सोनिया (अध्यापिका) तथा दामाद राहुल भाटिया (एक्सईएन, स्थानीय निकाय विभाग) सहित समस्त

परिजनों का स्वागत एवं सम्मान किया।विद्यालय की प्रधानाचार्य सुशीला शर्मा ने कहा कि मांगेलाल काला ने पिछले आठ वर्षों तक विद्यालय में अपनी सेवाओं के दौरान विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास, विद्यालय में नामांकन बढ़ाने, अनुशासन स्थापित करने, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा आधारभूत सुविधाओं के विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया। उन्होंने कहा कि 'एक शिक्षक कभी सेवानिवृत्त नहीं होता, वह जीवनभर समाज का मार्गदर्शक बना रहता है।' काला ने अपने कार्यों से यह सिद्ध किया कि शिक्षा केवल ज्ञान देने का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कार और समाज निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति है।

अपने संबोधन में मांगेलाल काला ने विद्यालय के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए विद्यालय को 51 हजार रुपए की सहयोग राशि भेंट की।उन्होंने भविष्य में भी विद्यालय की उन्नति एवं विद्यार्थियों के हित में हरसंभव सहयोग देने का संकल्प व्यक्त किया। समारोह के अंत में विद्यालय परिवार ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त करते हुए मांगेलाल काला के स्वस्थ, सुखद एवं सम्मानपूर्ण जीवन की शुभकामनाएं दीं।

ग्रामीण सेवा शिविर बना सहाराः मृत्यु प्रमाण पत्र मिलने से परिजनों को मिली बड़ी राहत

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । ग्राम पंचायत पिलानी खुर्द में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर आमजन के लिए राहत और समाधान का केंद्र साबित हो रहा है। शिविर के दौरान स्वर्गीय श्रीमती सुखी देवी, जिनका निधन 15 अगस्त 2025 को हुआ था, का मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किया गया। लंबे समय से आवश्यक दस्तावेज की प्रतीक्षा कर रहे परिजनों को प्रमाण पत्र मिलने से बड़ी राहत मिली है। मृत्यु प्रमाण पत्र जारी होने के बाद परिवार को उत्तराधिकार संबंधी प्रक्रियाओं, बैंकिंग कार्यों, पेंशन संबंधी मामलों तथा अन्य सरकारी एवं कानूनी कार्यों में सुविधा प्राप्त होगी। शिविर में अधिकारियों की तत्परता और विभागों के समन्वय से यह कार्य शीघ्रता से संपन्न कराया गया। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी विश्वामित्र मीणा, तहसीलदार शेर सिंह राठौड़, ब्लॉक सांख्यिकी अधिकारी शारदा देवी, विकास अधिकारी अमित चौधरी, सहायक विकास अधिकारी राकेश जानू, संगणक राकेश कुमार तथा भाजपा कार्यकर्ता प्यारेलाल ढूकिया उपस्थित रहे। इसके अलावा डीओआईटी, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, राजस्व विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी शिविर में मौजूद रहकर ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ उपलब्ध करा रहे थे। ग्रामीण सेवा शिविर में विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों से आमजन को त्वरित, पारदर्शी एवं सुगम सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। यह पहल राज्य सरकार की जनकल्याणकारी सोच तथा प्रशासन की संवेदनशील कार्यप्रणाली का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर सामने आई है। शिविर के माध्यम से ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर समाधान कर उन्हें राहत प्रदान की जा रही है।

प्रमोशनल सॉन्ग 'सरकारी स्कूल' का हुआ विमोचन

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ी।

हर्ष स्वामी । मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय खेतड़ी में बुधवार को सरकारी विद्यालयों की गतिविधियों एवं सुविधाओं पर आधारित प्रमोशनल सॉन्ग 'सरकारी स्कूल' का विमोचन किया गया। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अनुकम्पा अरड़ावतिया ने गीत का विधिवत विमोचन किया। यह गीत महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, खेतड़ी में कार्यरत अध्यापक एवं कवि जितेंद्र जांगिड़ द्वारा तैयार किया गया है। इस अवसर

पर मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सिंघाना विजय इंद्रा, संदर्भ व्यक्ति विनोद कुमार, विजय सिंह, वीरेंद्र अवाना, अनीता चौधरी, राहुल, यतेंद्र, हवा सिंह एवं प्रशांत कुमार सहित अन्य अधिकारी एवं शिक्षक उपस्थित रहे। जितेंद्र जांगिड़ ने बताया कि गीत में सरकारी विद्यालयों में संचालित शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों, विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का आकर्षक और लयबद्ध वर्णन किया गया है। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व उनके द्वारा तैयार किया गया मोटिवेशनल सॉन्ग 'पढ़नो पड़गो' भी जारी किया जा चुका है, जिसका विमोचन मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा किया गया था।

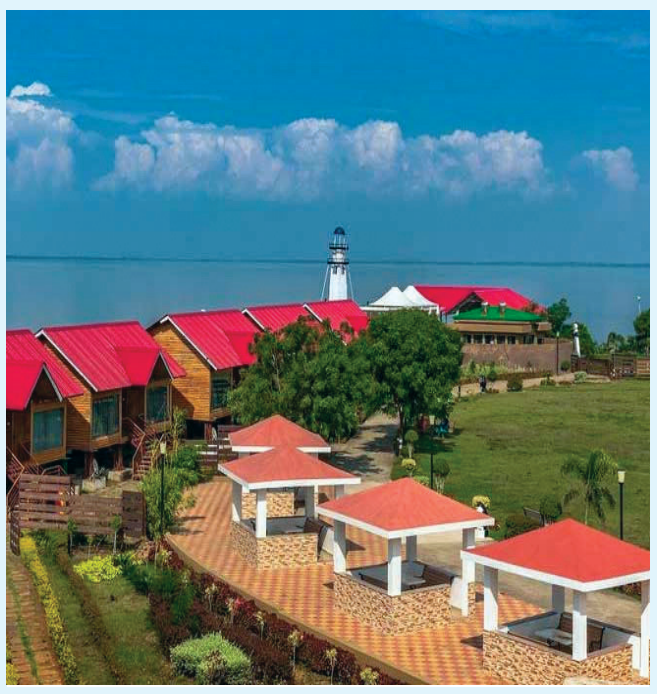

मध्य प्रदेश में उठाएं बीच का मजा

जरूर एक्सप्लोर करें ये मनमोहक और खूबसूरत जगह

मध्य प्रदेश में भोपाल से लेकर इंदौर तक, ग्वालियर, मांडू, ओरछा और जबलपुर जैसी कई ऐतिहासिक जगहें हैं, जिनके बारे में लगभग हर कोई जानता है। वहीं मध्य प्रदेश में हनुवंतिया एक ऐसी जगह है, जहां पर आप बीच का लुत्फ उठा सकते हैं।

मध्य प्रदेश का गठन साल 1956 में हुआ था। यह देश के सबसे बड़े राज्यों में शामिल एक खूबसूरत और प्रमुख राज्य भी है। देश के मध्य में स्थित मध्य प्रदेश में कई ऐसी खूबसूरत और शानदार जगहें मौजूद हैं, जहां पर सिर्फ देशी ही नहीं बल्कि विदेशी पर्यटक भी घूमने के लिए पहुंचते रहते हैं। मध्य प्रदेश में भोपाल से लेकर इंदौर तक, ग्वालियर, मांडू, ओरछा और जबलपुर जैसी कई ऐतिहासिक जगहें हैं, जिनके बारे में लगभग हर कोई जानता है। वहीं मध्य प्रदेश में हनुवंतिया एक ऐसी जगह है, जहां पर आप बीच का लुत्फ उठा सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको हनुवंतिया की खूबसूरती और इसकी खासियत के बारे में बताने जा रहे हैं।

हनुवंतिया

मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में इंदिरा सागर बांध के पास हनुवंतिया स्थित है। यह खंडवा शहर से करीब 45 किमी दूरी पर मौजूद है।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से हनुवंतिया करीब 233 किलोमीटर दूर है। वहीं इंदौर से करीब 138 किमी, देवास से करीब 195 किमी और उज्जैन से 197 किमी दूर है।

इस जगह की खासियत

बता दें कि इंदिरा सागर बांध के बैकवाटर में स्थित हनुवंतिया मध्य प्रदेश की एक मनमोहक जगह है। हनुवंतिया को कई लोग आइलैंड या हनुवंतिया टापू के नाम से भी जानते हैं। इस जगह की खूबसूरती इस कदर प्रचलित है कि लोग इसको एमपी का %मिनी गोवा% भी कहते हैं।

यह जगह अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ एक फेमस पर्यटन स्थल माना जाता है। यहां पर गर्मियों में भारी संख्या में पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। हनुवंतिया टापू नीले रंग के पानी और खूबसूरती के कारण गोवा की याद दिलाता है। वहीं मानसून में हनुवंतिया की खूबसूरती अपने चरम पर होती है।

सैलानियों के लिए क्यों है खास

गर्मियों में हनुवंतिया को मध्य प्रदेश को एक परफेक्ट पॉइंट माना जाता है। खासकर वीकेंड में भारी संख्या में पर्यटक घूमने और पिकनिक मनाने के लिए पहुंचते हैं।

हनुवंतिया का शांत और शुद्ध वातावरण पर्यटकों को खूब आकर्षित करता है। यह जगह अपनी खूबसूरती के अलावा एडवेंचर एक्टिविटी के लिए जाना जात है। यहां पर कई लोग सिर्फ एडवेंचर एक्टिविटी करने के लिए पहुंचते हैं।

वॉटर स्पोर्ट्स के लिए है फेमस

बता दें कि हनुवंतिया बीच मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा वाटर एक्टिविटी के लिए जाना जाता है। यहां पर कई सैलानी सिर्फ मोटरबोटिंग, गोताखोरी, जेट स्कीइंग, सर्फिंग और जोरबिंग के अलावा हॉट एयर बैलूनिंग और पैरा एक्टिविटीज जैसी शानदार और मजेदार एक्टिविटी के लिए पहुंचते हैं।

हर साल हनुवंतिया आइलैंड में जल महोत्सव का आयोजन किया जाता है। इस महोत्सव में शामिल होने के लिए हर साल हजारों की संख्या में पर्यटक शामिल होते हैं।

आसपास घूमने की जगहें

बता दें कि हनुवंतिया के आसपास कई शानदार और खूबसूरत जगहें मौजूद हैं। जिनको आप ट्रिप के दौरान एक्सप्लोर कर सकते हैं। जैसे इंदिरा सागर बांध, घंटाघर, गौरी कुंज, नागचून बांध खंडवा, तुलजा भवानी माता मंदिर को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

बारिश के मौसम का मजा लेना है तो महाराष्ट्र की इन जगहों पर जरूर जाएं

परिवार या दोस्तों के साथ घूमना किसे पसंद नहीं होता? कई लोग ट्रिप पर जाने में ज्यादा दिलचस्पी दिखाते हैं. खासकर अपने पार्टनर या गर्लफ्रेंड के साथ ट्रिप पर जाना कई लोगों को काफी खुशी देता है. इसलिए ज्यादातर लोग अपनी गर्लफ्रेंड के साथ मस्ती करने के लिए खूबसूरत जगहों पर जाना पसंद करते हैं. अगर आप अपने पार्टनर के साथ रोमांटिक पल बिताना चाहते हैं तो आज हम आपके लिए कुछ ऐसी जगहों की जानकारी लेकर आए हैं जो जुलाई में कपल्स के घूमने के लिए बेस्ट जगह हैं. खबर के जरिए जानते हैं कि मानसून में अपने पार्टनर के साथ घूमने के लिए कौन सी जगहें बेस्ट हैं.

लोनावाला

मानसून के मौसम में लोनावाला घूमने के लिए एक बेहतरीन जगह है। इस जगह की खूबसूरती और प्रकृति का अनोखा नजारा हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करता है. खासकर अगर प्रेमी जोड़े और नवविवाहित जोड़े यहां जाएं तो उन्हें बहुत मजा आएगा. क्योंकि यहां का भूशी डैम, टाइगर प्वाइंट, हरी-भरी पहाड़ियां, प्रकृति और खूबसूरत फूलों के बगीचे हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करते हैं. इसलिए यह जगह प्रेमी जोड़ों, नवविवाहितों और जोड़ों के लिए सबसे अच्छा पर्यटन स्थल माना जाता है.

मुलशी

अगर आप अपने पार्टनर के साथ मानसून के मौसम का मजा लेना चाहते हैं तो पुणे के पास मुलशी घूमने के लिए एक बेहतरीन जगह है. क्योंकि यहां का इलाका बेहद खूबसूरत है. अपनी प्राकृतिक खूबसूरती और प्रकृति के लिए मशहूर यह जगह पर्यटकों को खूब आकर्षित करती है. खास तौर पर धुंध भरी पहाड़ियां और मुलशी डैम देखने लायक बेहद खूबसूरत जगह हैं.

माथेरान हिल स्टेशन

माथेरान हिल स्टेशन अपने प्रेमी के साथ हाथ में हाथ डालकर घूमने के लिए सबसे अच्छी जगह है. यह सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है.मुंबई और पुणे के पास स्थित यह बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन अपनी हरी-भरी पहाड़ियों के साथ बेहद खूबसूरत नजारा देता है. ऐसी प्राकृतिक खूबसूरती के बीच अपने साथी के साथ हाथ में हाथ डालकर घूमना आपके बीच प्यार को और बढ़ा देगा. इसलिए माथेरान लवर्स के लिए एक बेहतरीन टूरिस्ट स्पॉट है.

हरिश्चंद्रगढ़

खूबसूरत कॉफी बागानों में अपने प्रियतम के साथ गपशप करने के लिए यह एक बेहतरीन जगह है. मानसून के मौसम में घूमने के लिए यह सबसे अच्छी जगह है. जो लोग ट्रैकिंग करना चाहते हैं, वे इस जगह पर जा सकते हैं, बर्फीले पहाड़ों, कॉफी बागानों, हरे-भरे पेड़ों, रिमझिम बारिश के बीच कोंकण तट की खूबसूरती को निहार सकते हैं. आप अपने साथी के साथ खुशी के पल बिता सकते हैं। इसलिए, मानसून के मौसम में घूमने के लिए हरिश्चंद्रगढ़ सबसे अच्छी जगह है.

लवासा

वरसगांव झील के किनारे स्थित लवासा में अनगिनत वाटर स्पोर्ट्स हैं. महाराष्ट्र में स्थित यह शहर इतालवी शहर पोर्टोफिनो की तर्ज पर बना है. यह अपनी प्राकृतिक सुंदरता, सुव्यवस्थित बुनियादी ढांचे और मनोरंजक गतिविधियों के लिए जाना जाता है. यह जगह कपल्स के लिए बेहद रोमांचक हो सकती है.

शांति, प्राकृतिक सौंदर्य और औपनिवेशिक विरासत का अनोखा मेल है कसौली

कसौली की स्थापना 1842 में ब्रिटिश राज के दौरान एक सैन्य छावनी के रूप में हुई थी। यहाँ आज भी कई ब्रिटिश-युग की इमारतें और चर्च मौजूद हैं, जो इसके इतिहास को जीवंत बनाए रखते हैं। साथ ही, यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता और साफ-सुथरी जलवायु इसे एक बेहतरीन हिल स्टेशन बनाती है।

हिमाचल प्रदेश के सोलन ज़िले में स्थित कसौली एक छोटा लेकिन बेहद आकर्षक और शांत पहाड़ी स्थल है। समुद्र तल से लगभग 1,900 मीटर की ऊँचाई पर बसा कसौली अपनी हरियाली, शांत वातावरण, औपनिवेशिक इमारतों और मनोरम दृश्यों के लिए जाना जाता है। यह एक आदर्श स्थान है उन लोगों के लिए जो भीड़भाड़ और शोरगुल से दूर कुछ सुकून के पल बिताना चाहते हैं।

कसौली का इतिहास और विशेषता

कसौली की स्थापना 1842 में ब्रिटिश राज के दौरान एक सैन्य छावनी के रूप में हुई थी। यहाँ आज भी कई ब्रिटिश-युग की इमारतें और चर्च मौजूद हैं, जो इसके इतिहास को जीवंत बनाए रखते हैं। साथ ही, यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता और साफ-सुथरी जलवायु इसे एक बेहतरीन हिल स्टेशन बनाती है।

प्रमुख आकर्षण

1. मंकी पॉइंट

कसौली का सबसे ऊँचा स्थान मंकी पॉइंट है, जहाँ से सतलुज नदी, चंडीगढ़ और शिमला के दृश्य साफ दिखाई देते हैं। यहाँ एक छोटा हनुमान मंदिर भी है, जो धार्मिक और प्राकृतिक सौंदर्य दोनों के लिए प्रसिद्ध है।

2. गिल्बर्ट ट्रेल

प्राकृतिक प्रेमियों और वॉकिंग के शौकीनों के लिए यह एक आदर्श जगह है। यह पगडंडी देवदार और ओक के पेड़ों के बीच से गुजरती है और यहां की शांति आत्मा को सुकून देती है।

3. क्राइस्ट चर्च

1853 में बना यह चर्च कसौली की सबसे पुरानी इमारतों में से एक है। इसकी गोथिक शैली की वास्तुकला और रंगीन कांच की खिड़कियाँ देखने लायक हैं।

4. सनसेट पॉइंट

शाम के समय यहाँ से सूर्यास्त का दृश्य अत्यंत मनमोहक होता है। पहाड़ियों के बीच सूरज को डूबते हुए देखना एक अविस्मरणीय अनुभव है।

5. कसौली ब्रुअरी

यह एशिया की सबसे पुरानी डिस्टिलरी मानी जाती है, जो अब भी संचालित हो रही है। यह ब्रिटिश काल की विरासत को संजोए हुए है।

कसौली में करने योग्य गतिविधियाँ

– प्राकृतिक ट्रेल्स पर वॉकिंग और ट्रेकिंग

– स्थानीय बाजारों में शॉपिंग (हस्तशिल्प, ऊनी वस्त्र, जैम आदि)

– फोटोग्राफी और बर्ड वॉचिंग

– चर्चों और औपनिवेशिक इमारतों की खोज

– शांत वातावरण में ध्यान और योग

यात्रा का सर्वोत्तम समय

मार्च से जून: गर्मियों में ठंडक का आनंद लेने के लिए उपयुक्त।

सितंबर से नवंबर: साफ आसमान और हरियाली देखने के लिए।

दिसंबर से फरवरी: बर्फबारी का आनंद लेने वालों के लिए बेहतरीन समय।

कैसे पहुँचे कसौली?

हवाई मार्ग : निकटतम हवाई अड्डा चंडीगढ़ (लगभग 60 किमी) है।

रेल मार्ग : निकटतम रेलवे स्टेशन कालका (लगभग 25 किमी) है, जहाँ से टैक्सी या बस ली जा सकती है।

सड़क मार्ग : चंडीगढ़, शिमला, दिल्ली से सीधी बस और टैक्सी सेवाएं उपलब्ध हैं।

कसौली एक ऐसा पर्यटन स्थल है जहाँ प्रकृति की गोद में शांति, सौंदर्य और इतिहास का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। यह उन लोगों के लिए आदर्श स्थान है जो जीवन की दौड़-भाग से दूर कुछ पल सुकून और ताजगी के साथ बिताना चाहते हैं।

जूनियर मैनेजर राजकुमार बाडेटिया के सेवानिवृत्ति समारोह में उमड़ा सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ी।

हर्ष स्वामी । हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड के जूनियर मैनेजर, पूर्व श्रमिक नेता एवं निफ्टू के राष्ट्रीय सचिव राजकुमार बाडेटिया के सेवानिवृत्त होने पर खेतड़ी नगर स्थित कॉपर क्लब में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।समारोह में हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड के अधिकारियों, कर्मचारियों, श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं नगर के गणमान्य लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर राजकुमार बाडेटिया को सेवानिवृत्ति पर शुभकामनाएं एवं बधाई दी। उपस्थित लोगों ने उनके लंबे सेवाकाल, श्रमिक हितों के प्रति समर्पण तथा संगठनात्मक नेतृत्व की सराहना करते हुए उनके योगदान को याद किया। समारोह के दौरान उन्हें माल्यार्पण, साफा एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया।

आंगनबाड़ी केंद्रों पर मनाया प्रवेश उत्सव

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

आंगनबाड़ी केंद्रों पर बुधवार को प्रवेश उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर तीन वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके बच्चों का आंगनबाड़ी केंद्रों पर विधिवत प्रवेश कराया गया तथा बच्चों का स्वागत किया गया। यह जानकारी देते हुए वार्ड संख्या 19 की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सुभिता ढाका ने बताया कि प्रवेश उत्सव का उद्देश्य अधिकाधिक बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा एवं पोषण से बच्चों को जोड़ना है। कार्यक्रम के दौरान नवप्रवेशित बच्चों को स्लेट,पेन चॉक सहित अन्य आवश्यक शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई तथा बच्चों एवं उनके अभिभावकों को नियमित रूप से आंगनबाड़ी केंद्र से जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर आंगनवाड़ी सहायिका द्रोपदी देवी सहित वार्ड की महिलाएं व बच्चे उपस्थित थे।

विधायक भागचंद टांकडा के जन्मदिवस पर सेवा कार्य, अन्नपूर्णा भोजनालय में सहयोग राशि भेंट

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

बांदीकुई विधानसभा क्षेत्र के विधायक भागचंद टांकडा के जन्मदिवस पर उनके समर्थकों, शुभचिंतकों एवं सहयोगियों ने सेवा कार्यों के माध्यम से उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर लक्ष्मणगढ़ नागरिक परिषद द्वारा संचालित श्री अन्नपूर्णा भोजनालय में सहयोग राशि भेंट की गई तथा कामधेनु गौशाला, ढोलास में गायों को गुड़ एवं हरा चारा खिलाकर विधायक के दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की मंगलकामना की गई। कार्यक्रम में उपस्थित समर्थकों ने कहा कि विधायक भागचंद टांकडा के जन्मदिवस को हर वर्ष समाजसेवा और जनकल्याण के कार्यों के साथ मनाया जाता है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी जरूरतमंदों की सहायता एवं गौसेवा का संकल्प लिया गया। उल्लेखनीय है कि विधायक भागचंद टांकडा के जन्मदिवस पर प्रतिवर्ष लक्ष्मणगढ़ में उनके समर्थकों द्वारा विभिन्न सेवा एवं जनहित के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिनमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और नागरिक भाग लेते हैं।

केंद्रीय विद्यालय में हुआ जूनियर कंप्यूटर लैब का उद्घाटन

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ीनगर।

केंद्रीय विद्यालय में बुधवार को प्राचार्य श्री के एल मीणा ने फीता काटकर जूनियर कंप्यूटर लैब का उद्घाटन किया। प्रधानाध्यापक मनोज कुमार वर्मा ने बताया कि विद्यालय में एक कंप्यूटर लैब पहले से संचालित थी, अब जूनियर कंप्यूटर लैब खुलने से प्राथमिक विभाग के बच्चों को कंप्यूटर का प्रैक्टिकल ज्ञान प्राप्त करने के लिए अधिक मौके मिलेंगे। वातानुकूलित सुविधा युक्त लैब में इन्टरनेट युक्त 15 कंप्यूटर उपलब्ध हैं। इस अवसर पर मिष्ठान वितरण करके किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम में शिक्षक उम्मेद अली,जितेश सैनी,आरती कुमारी,रेखा यादव,प्रवीण सोनी एवं बच्चे उपस्थित रहें।

सांसद विजेंद्र ओला का 73वां जन्मदिन पर्यावरण संरक्षण को समर्पित, हजारों पौधे लगाने का संकल्प

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ी

हर्ष स्वामी । झुंझुनूं सांसद विजेंद्र ओला के 73वें जन्मदिन के अवसर पर खेतड़ी क्षेत्र में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जन्मदिन को पर्यावरण संरक्षण के नाम समर्पित किया। इस अवसर पर पूर्व उपप्रधान एवं जिला परिषद सदस्य अमर सिंह गुर्जर के नेतृत्व में दिनभर विभिन्न स्थानों पर हजारों पौधे लगाए जाएंगे। पौधारोपण अभियान की शुरुआत केसीसी के नेहरू मैदान में पौधे लगाकर की गई। अमर सिंह गुर्जर ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है और अधिक से अधिक पौधारोपण कर प्रकृति के संरक्षण में सभी को अपनी भागीदारी निभानी चाहिए। कार्यक्रम में अमर सिंह नेहरा, विक्रम गुर्जर, संदीप गुर्जर, बबलू यादव सहित कांग्रेस के अनेक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने पौधारोपण के साथ लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने का भी संकल्प लिया।

बीडीके अस्पताल में आरसीएच सूचकांकों की समीक्षा, संस्थागत प्रसव बढ़ाने और हाई रिस्क गर्भवतियों की निगरानी पर जोर

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

जिले के सबसे बड़े राजकीय बीडीके अस्पताल में बुधवार को प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य (आरसीएच) सूचकांकों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संस्थागत प्रसव बढ़ाने, उच्च जोखिम (एचआरपी) गर्भवतियों की समय पर पहचान, प्रसव पूर्व एवं प्रसव पश्चात बेहतर उपचार तथा मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए आवश्यक रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक की अध्यक्षता बीडीके अस्पताल के पीएमओ एवं अतिरिक्त अधीक्षक डॉ. जितेंद्र भाम्बू ने की। जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डीएन सिंह ने कहा कि पीएमएसएमए दिवस पर उच्च जोखिम गर्भवती महिलाओं की पहचान कर पोर्टल पर समयबद्ध इंद्राज करना बेहद जरूरी है। उन्होंने निर्देश दिए कि ऐसी महिलाओं को प्रसव से पहले, प्रसव के दौरान

और प्रसव के बाद सभी आवश्यक जांच एवं उपचार उपलब्ध कराया जाए।

बैठक में पीएमएसएमए दिवस पर अतिरिक्त कार्मिक एवं काउंटर बढ़ाने, नर्सिंग विद्यार्थियों और आमजन में जागरूकता बढ़ाने तथा लौह रक्ताल्पता (एनीमिया) से ग्रसित गर्भवतियों को प्रसव पूर्व और प्रसव पश्चात एफसीएम इंजेक्शन लगाने पर विशेष जोर दिया गया। पूर्व सिजेरियन प्रसव वाली उच्च जोखिम गर्भवतियों का नियमित फॉलो-अप सुनिश्चित करने का भी निर्णय लिया गया। पीएमओ डॉ. जितेंद्र भाम्बू ने बताया कि बीडीके अस्पताल में जिले की सर्वाधिक उच्च जोखिम गर्भवती महिलाओं और गंभीर नवजात शिशुओं का उपचार किया जा रहा है। अस्पताल में प्रतिदिन विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा औसतन 5 से 7 सिजेरियन प्रसव किए जाते हैं तथा 8 से 10 गंभीर नवजात शिशुओं का आईसीयू में उपचार किया जाता है। आरसीएचओ डॉ. डीएन सिंह ने सहायक सांख्यिकी अधिकारी को यूविन, पीसीटीएस, पीएमएसएमए और पहचान पोर्टल के सभी सूचकांकों का नियमित इंद्राज करने तथा समय-समय पर रिपोर्ट आरसीएचओ कार्यालय भेजने के निर्देश दिए। बैठक में शिशु रोग विशेषज्ञों एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञों ने शिशु एवं मातृ स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए अपने सुझाव प्रस्तुत किए। साथ ही एफसीएम इंजेक्शन की उपलब्धता और उपयोग बढ़ाने पर भी सहमति बनी। अगली समीक्षा बैठक 20 जुलाई को आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

चिकित्सक दिवस पर डॉक्टरों का सम्मान

बैठक के बाद बीडीके अस्पताल के चिकित्सकों ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं देकर और मिठाई खिलाकर राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस मनाया। इस अवसर पर आरएमओ डॉ. विजय झाझड़िया ने इस वर्ष की थीम 'मुखौटे के पीछे: कौन मरहम लगाने वालों को ठीक करता है' पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मरीजों की सेवा के साथ-साथ डॉक्टरों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी उतना ही आवश्यक है।

पिलानी खुर्द में खिलौना बैंक का शुभारंभ, आंगनबाड़ी चलो अभियान को मिली नई दिशा

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । महिला एवं बाल विकास विभाग मंडावा द्वारा 'आंगनबाड़ी चलो अभियान' के अंतर्गत ग्राम पिलानी खुर्द में खिलौना बैंक के उद्घाटन एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्रों से अधिकाधिक बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं धात्री माताओं को जोड़ना तथा शाला पूर्व शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाना रहा। कार्यक्रम में खिलौना बैंक का उद्घाटन उपखंड अधिकारी विश्वामित्र मीणा ने किया। इस अवसर पर बिसाऊ तहसीलदार शेर सिंह राठौड़, विकास अधिकारी अमित चौधरी, बाल विकास परियोजना अधिकारी सावित्री कृष्णिया, उषा कुलहरि, प्रियंका, रवि कुमार, दीपक, ब्लॉक सामाजिक सुरक्षा अधिकारी सुनीता धायल तथा भाजपा नेता प्यारेलाल दुखिया सहित विभागीय अधिकारी एवं स्थानीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें। बाल विकास परियोजना अधिकारी ने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जुलाई माह में विशेष सर्वे अभियान चलाकर ऐसे गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं एवं बच्चों की पहचान की जाएगी जो अभी तक आंगनबाड़ी सेवाओं से वंचित हैं। उन्हें विभागीय योजनाओं एवं पोषण सेवाओं से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। साथ ही शाला पूर्व शिक्षा को अधिक प्रभावी एवं आकर्षक बनाने के उद्देश्य से आंगनबाड़ी केंद्रों पर खिलौना बैंक स्थापित करने पर विशेष

बल दिया जाएगा, जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास खेल-खेल में हो सके। कार्यक्रम के दौरान वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। उपस्थित अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने पौधों की देखभाल का संकल्प लेते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी विश्वामित्र मीणा ने कहा कि देश का भविष्य आज के नन्हे-मुन्ने बच्चों के हाथों में है। उन्होंने क्षेत्र के भामाशाहों, सामाजिक संगठनों एवं आमजन से आह्वान किया कि वे आंगनबाड़ी केंद्रों पर खिलौना बैंक की स्थापना एवं संचालन में सहयोग प्रदान करें, ताकि बच्चों को बेहतर शिक्षण एवं खेल सामग्री उपलब्ध हो सके। कार्यक्रम के अंत में विभागीय अधिकारियों ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को अभियान की रूपरेखा से अवगत कराते हुए बच्चों के नामांकन, पोषण जागरूकता एवं प्रारंभिक शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए समन्वित प्रयास करने का आह्वान किया।

शिक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के निर्देश, सीबीईओ कार्यालय निरीक्षण से संतुष्ट दिखे एसडीएम

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । उपखण्ड अधिकारी मंडावा विश्वामित्र मीणा ने बुधवार को मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (सीबीईओ) कार्यालय, मंडावा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्यालय की व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित एवं संतोषजनक पाई गईं, जिस पर उपखण्ड अधिकारी ने कार्यालय की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों की प्रशंसा की। निरीक्षण के दौरान उपखण्ड अधिकारी ने मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी पवन कुमार को विद्यालयों में नामांकन बढ़ाने, जर्जर एवं असुरक्षित भवनों की नियमित निगरानी कर आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने तथा राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से साक्षरता अभियान के लक्ष्यों को शत-प्रतिशत पूरा करने पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता एवं

पहुंच बढ़ाने के लिए सभी अधिकारी और कर्मचारी समन्वित रूप से कार्य करें।

इस अवसर पर नवपदस्थापित उपखण्ड अधिकारी विश्वामित्र मीणा का मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी पवन कुमार द्वारा साफा पहनाकर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम के दौरान संदर्भ व्यक्ति उत्तम दाधीच, लोकेश कुमार, प्रशासनिक अधिकारी आनंद कुमार, एकाउंटेंट शीतल शर्मा, साक्षरता ब्लॉक समन्वयक मूलसिंह शेखावत, अध्यापक पवन कुमार तथा एमआईएस प्रभारी कृष्ण सिंह शेखावत सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहें। उपखण्ड अधिकारी ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों से कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना तथा शिक्षा के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है, जिसके लिए सभी को प्रतिबद्धता के साथ कार्य करना होगा।

महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्ष्मणगढ़ के विधार्थियों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

स्थापना दिवस पर खेल-कूद प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

गणपति एक्स-रे लेबोरटरी के सहयोग से सरकारी जिला अस्पताल के चिकित्सक फिजिशियन डॉ संजय सैनी व उनकी टीम ने दी सेवाएं, छात्रावास ने किया चिकित्सकीय टीम का स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर सेठों की कोठी से बैरास जाने वाले रास्ते पर निर्माणाधीन महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्ष्मनगढ के तीसरे स्थापना दिवस पर बुधवार को छात्रावास में नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कैम्प आयोजित हुआ तथा इस अवसर पर खेल-कूद गतिविधियों का आयोजन भी समारोह पूर्वक आयोजित हुआ? यह जानकारी देते हुए कार्यक्रम संयोजक नथमल मावलियों की ढाणी ने बताया कि आयोजित कार्यक्रम का उधोगपति भामाशाह समाजसेवी व छात्रावास के अध्यक्ष अनिल कुमार बागड़ी ने विधिवत फीता काटकर शुभारंभ किया। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य परीक्षण कैम्प गणपति एक्स-रे लेबोरटरी के सहयोग से आयोजित हुआ जिसमें सरकारी जिला अस्पताल लक्ष्मनगढ के चिकित्सक फिजिशियन डॉ संजय सैनी व उनकी टीम ने विधार्थियों, पदाधिकारियों, सदस्यों व उपस्थित जनों के स्वास्थ्य का परिक्षण किया तथा आवश्यक जांच कर परामर्श दिया। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर सभी विधार्थियों सहित उपस्थित जनों के ब्लड जांच के साथ ही शुगर, बीपी सहित अन्य जांच की गई। उन्होंने बताया कि

छात्रावास के तीसरे स्थापना दिवस पर छात्रावास के विधार्थियों व पदाधिकारियों के मध्य वालीबॉल, बैडमिंटन व कबड्डी के मैच भी आयोजित हुए। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष अनिल कुमार बागड़ी, संयोजक सज्जन कुमार सैनी, महामंत्री महेंद्र कुमार माली, कोषाध्यक्ष झाबरमल माली, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नथमल मावलियों की ढाणी, मार्गदर्शक दुर्गादत्त अलखपुरा, मीडिया प्रभारी राजेश गौड़, बाबूलाल सैनी, अनिल हेतमसर,अनिल बलोद, पंकज खुडी, संदीप पिपलोदिया सेठों की कोठी, अंकित धाभाईयों की ढाणी, अंकित ढांढण, अभिषेक लक्ष्मनगढ, दीपेश गौड़ लक्ष्मनगढ सहित पदाधिकारी सदस्य विधार्थी मौजूद थे। इस अवसर समिति की ओर से स्वास्थ्य परीक्षण करने वाली टीम के डॉ. संजय सैनी, गणपति एक्स-रे लेबोरटरी के लखीप्रसाद का मोतियों की माला व छात्रावास का दुपट्टा पहनाकर एवं छात्रावास का प्रतिक चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।

लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट ने सरकारी जिला अस्पताल में चिकित्सक दिवस पर किया डॉक्टरों का सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

जुलाई।लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट की ओर से बुधवार को सरकारी जिला अस्पताल में राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर श्रद्धा, सम्मान एवं सेवा भाव के साथ मनाया गया। ट्रस्ट के कार्यकर्ताओं ने अस्पताल पहुँचकर जिला अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. अटल भास्कर, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. संजय सैनी एवं शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. विमल भूरिया सहित अस्पताल के चिकित्सकों को गुलाब का फूल भेंट कर सम्मानित किया तथा मिठाई खिलाकर चिकित्सक दिवस की शुभकामनाएँ दीं।इस अवसर पर ट्रस्ट प्रभारी राजेंद्र कुमार शर्मा, दिव्यांग प्रकोष्ठ प्रभारी कमल

कुमावत, सुनील कुमार माली, महेश कुमावत, पूर्व पार्षद सुभाष पारीक सहित सरकारी जिला अस्पताल के चिकित्सक, चिकित्सा कर्मचारी एवं ट्रस्ट के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

भामाशाह समाजसेवी महावीर प्रसाद गौड़ ने महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्ष्मणगढ़ को एक लाख रुपए से अधिक की राशि की भेंट

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर सेठों की कोठी से बैरास जाने वाले रास्ते पर निर्माणाधीन महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्ष्मनगढ के लिए भामाशाह समाजसेवी श्रीडूंगरगढ़ निवासी महावीर प्रसाद गौड़ ने एक लाख रुपए से अधिक की राशि भेंट कर छात्रावास के निर्माण व विकास कार्य में सहयोग प्रदान किया है। यह जानकारी देते हुए महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास निर्माण समिति लक्ष्मनगढ के अध्यक्ष अनिल कुमार बागड़ी ने बताया कि छात्रावास के

तीसरे स्थापना दिवस पर श्रीडूंगरगढ़ निवासी भामाशाह समाजसेवी महावीर प्रसाद गौड़ ने 50 हजार रुपए भेंट कर छात्रावास के निर्माण व विकास में सहयोग किया है। उन्होंने बताया कि भामाशाह महावीर प्रसाद गौड़ ने इससे पहले भी छात्रावास के निर्माण व विकास कार्य के लिए 51 हजार रुपए पहले भेंट कर चुके हैं। श्री बागड़ी ने बताया कि छात्रावास के लिए श्री गौड़ ने अब तक 1लाख 1 हजार रुपए का आर्थिक सहयोग प्रदान किया है। श्री गौड़ द्वारा छात्रावास को एक लाख एक हजार रुपए भेंट किए जाने पर छात्रावास के पदाधिकारी सदस्यों ने धन्यवाद ज्ञापित किया है।

अंबेडकर भवन, झुंझुनूं में बहुजन एकता सम्मेलन के पोस्टर का हुआ विमोचन

जय पहाड़ी में बुद्ध विहार एवं मस्जिद के पास होगी विशाल बहुजन एकता जनसभा

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

बुधवार को अंबेडकर भवन, झुंझुनूं में मुस्लिम वेलफेयर फ्रंट, झुंझुनूं के जिला अध्यक्ष इब्राहिम की अध्यक्षता में प्रस्तावित बहुजन एकता सम्मेलन के पोस्टर का भव्य विमोचन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक विकास आल्हा ने बताया कि वर्तमान सामाजिक परिस्थितियों को देखते हुए अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं मुस्लिम समाज से जुड़े विभिन्न सामाजिक संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में गांव जय पहाड़ी स्थित बुद्ध विहार एवं मस्जिद के पास विशाल बहुजन एकता सम्मेलन एवं जनसभा आयोजित की जाएगी। सम्मेलन का उद्देश्य सामाजिक एकता, भाईचारा, संवैधानिक अधिकारों की रक्षा, सामाजिक न्याय, शिक्षा, रोजगार, किसानों, मजदूरों एवं युवाओं से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श कर समाज को संगठित एवं सशक्त बनाना है।

इस अवसर पर प्रोफेसर जयलाल सिंह ने कहा कि यह सम्मेलन सामाजिक समरसता, भाईचारे तथा संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों की रक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से अधिक से अधिक संख्या में सम्मेलन में भाग लेकर इसे ऐतिहासिक एवं

सफल बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आज से 'गांव-गांव, ढाणी-ढाणी जनसंपर्क अभियान' का शुभारंभ किया गया है। अभियान के तहत विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि घर-घर जाकर सम्मेलन का निमंत्रण देंगे तथा समाज के सभी वर्गों से अधिकाधिक संख्या में सम्मेलन में सहभागी बनने की अपील करेंगे। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक विकास आल्हा, मुस्लिम वेलफेयर फ्रंट, झुंझुनूं के जिला अध्यक्ष इब्राहिम, अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार निवारण संघर्ष समिति के संरक्षक प्रोफेसर जयलाल सिंह, आसपा जिलाध्यक्ष महेंद्र सिंह चारावास, पूर्व जिला अध्यक्ष रामानंद आर्य, खलील बुडाना,इस्लामपुर संघर्ष समिति के अध्यक्ष शैलेश भारतीय, शेरसिंह मेहरमपुर, ओमप्रकाश सेवदा, कमलेश काला, शीशराम सिलोलिया, रवि, कपिल सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शहीद सूबेदार लियाकत अली पठान का 24वाँ शहादत दिवस मनाया

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

क्षेत्र के समीपवर्ती गांव खीरवा में हर वर्ष को भांति इस बार भी सेना की 8 ग्रेनेडियर में तैनात मां भारती के वीर सपूत शहीद सूबेदार लियाकत अली पठान का 24वाँ शहादत दिवस मनाया गया । खीरवा स्थित उनके याद में बनाए गए स्मारक पर हवलदार अकरम पठान द्वारा शहीद को श्रद्धांजलि स्वरूप रीथ(पुष्पचक्र) अर्पण किया गया, समारोह में उपस्थिक सैकड़ों बुर्जुगों और युवाओं ने भी पुष्प अर्पित किए। कारी शरीफ खान साहब द्वारा देश के अमन व चैन और शहीद की मगफिरत के लिए दुआ करवाई । इस मौके पर सरपंच प्रतिनिधि हाकम अली, ऑनरेरी

कैप्टन आलमशेर, सूबेदार मेजर शमशेर अली, सूबेदार गुलाम रसुल, सूबेदार जमालुदीन, सब इंस्पेक्टर अयूब अली, एएसआई मंजूर खान, सत्तार खान, हाकम अली, इमरान मैग्राथ, साबीर पठान, आसिफ, दाऊद अली, नबील सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे । गौरमतलब हैं सैनिकों की वीर भूमि के लाडले शहीद पठान 01 जुलाई 2002 को ऑपरेशन पराक्रम के दौरान जम्मू कश्मीर में शहीद हो गए थे, वें दुर्गम घाटियों में कठिन परिस्थितियों में ड्यूटी करने में महारत हासिल थे । शहीद वीरांगना राबिया बानो ने अपने पति से प्रेरणा लेकर अपने दोनों बेटों को सेना से ही जोड़ा, इनके छोटे बेटे हवलदार इफ्तिखार पठान सेना में ग्लेशियर में तैनात हैं, वही उनके बड़े बेटे अरशद अयूब सैनिक कल्याण विभाग जोधपुर ने सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं।

श्री ढांढणवाली दादीजी के मंगल पाठ में भक्ति रस में सराबोर हुए श्रद्धालु

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

स्थानीय डीडवानिया भवन में श्री ढांढणवाली दादीजी का मंगल पाठ श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में धूमधाम से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में दादीजी का आकर्षक एवं अलौकिक श्रृंगार किया गया, जिसके दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े। पूरे भवन में भक्ति, आस्था और उत्साह का वातावरण बना रहा।कार्यक्रम का शुभारंभ में सुरेश सुमन बजाज सहित बजाज परिवार ने पूजा अर्चना की व पवन शर्मा 'निर्मल' द्वारा श्री गणेश वंदना से आगाज किया गया। इसके पश्चात अंकित खादूवाला एवं अंकित बजाज ने दादीजी के पारंपरिक भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। महाराष्ट्र के अकोला से पधारी सुप्रसिद्ध भजन गायिका नेटल शर्मा एवं डब्बू जी ने अपने मधुर भजनों तथा भावपूर्ण मंगल पाठ के वाचन से ऐसा समां बांधा कि श्रद्धालु देर तक भक्ति भाव

में झूमते रहे।इस अवसर पर शिवकुमार बजाज, सुशील बजाज, सुरेश बजाज, महेंद्र बजाज, महेश बजाज, नरेश बजाज, पीयूष बजाज राजेश बजाज, मुकेश बजाज, सुमित, पुनीत, संजय, दिनेश रतनलाल एवं विनोद ने आगंतुक अतिथियों का आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया।दादीजी के दरबार में अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री गोपाल गोयल, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष नाथूराम जैन, लक्ष्मणगढ़ उपखंड अधिकारी मोहर सिंह मीणा, नगर पालिका अधिशासी अधिकारी नवनीत कुमार, थाना अधिकारी राजकुमार यादव सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने धोक लगाकर परिवार, समाज एवं राष्ट्र की सुख-समृद्धि और मंगल की कामना की।कार्यक्रम के अंत में महाप्रसाद का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर दादीजी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

एसडीएम विश्वामित्र मीणा ने किया शहरी सेवा शिविर का निरीक्षण

मौके पर सुनी जनसमस्याएं; लाभार्थियों को वितरित किए पट्टे

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा

पवन कुमार शर्मा । मंडावा नगर पालिका परिसर में आयोजित शहरी सेवा शिविर का बुधवार को उपखंड अधिकारी (एसडीएम) विश्वामित्र मीणा ने निरीक्षण कर विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभागवार स्टॉलों का अवलोकन करते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एसडीएम मीणा ने कहा कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक सरल, पारदर्शी एवं प्रभावी तरीके से पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने शिविर में आए नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को कई मामलों में मौके पर ही समाधान करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर शिविर में विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को पट्टों का वितरण भी किया गया, जिससे लाभार्थियों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। शिविर में बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लेकर विभिन्न विभागों की सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ प्राप्त किया। नगर पालिका अधिशासी अधिकारी लोकेंद्र सिंह शेखावत ने शिविर की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि शहरी सेवा शिविरों के माध्यम से आमजन को विभिन्न विभागों की सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविर पारदर्शी, जवाबदेह एवं जनहितकारी प्रशासन की दिशा में प्रभावी पहल साबित हो रहे हैं।

शिविर में प्रारूपकार आनंद बिहारी सोलंकी, सुरजीत यादव, सत्यनारायण शर्मा, तेजपाल सैन, ममता, संजू, अरविंद कुमार, राहुल शर्मा, सचिन जोशी, प्रवीण कुमार, विकास कुमार, राजकुमार, मुकेश कुमार एवं नरेंद्र कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। पीएचईडी विभाग से सुरेश कुमार, चिकित्सा विभाग से डॉ. विशाखा कटारिया, डॉ. अनीता चौधरी, पुष्पा, आईसीडीएस विभाग से रुकसाना बानो, अजय सिंह, अमन बुडानिया, सुनीता कुमारी, उमेश, बबीता, किरण तथा जगदीश मीणा ने भी शिविर में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए आमजन को विभागीय सेवाएं एवं योजनाओं की जानकारी प्रदान की। शिविर के दौरान प्रशासन की ओर से नागरिकों को सरकारी योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने तथा अपनी समस्याओं के समाधान के लिए ऐसे शिविरों में सक्रिय भागीदारी करने की अपील भी की गई। शहरी सेवा शिविर में विभिन्न विभागों के समन्वय और त्वरित कार्यप्रणाली ने आमजन के बीच प्रशासन के प्रति विश्वास को और मजबूत किया।

ज्ञान के नए केंद्र की ओर बढ़ा टोडरवास: सार्वजनिक पुस्तकालय एवं वाचनालय भवन की रखी गई नींव

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । ग्राम टोडरवास में शिक्षा एवं ज्ञान के प्रसार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सार्वजनिक पुस्तकालय भवन एवं वाचनालय के निर्माण कार्य की विधिवत नींव रखी गई। यह भवन जिला प्रमुख कोटे से स्वीकृत 7.50 लाख रुपये की लागत से निर्मित किया जाएगा। ग्रामीणों ने इस पहल का स्वागत करते हुए इसे गांव के विद्यार्थियों, युवाओं एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले अभ्यर्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। इस अवसर पर बताया गया कि पुस्तकालय भवन के निर्माण के लिए गांव के भामाशाहों द्वारा समाजहित में अपनी भूमि दान कर अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया गया है। ग्रामीणों ने कहा कि पुस्तकालय के निर्माण से गांव में अध्ययन का बेहतर वातावरण विकसित होगा तथा विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री एवं वाचन सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। कार्यक्रम में अखसीह शेखावत, पाबूदान सिंह, चतर सिंह शेखावत, करणी सिंह शेखावत, महावीर सिंह शेखावत, गिरधारी सिंह, प्रशासक मुकेश झाझड़िया, श्यामलाल जांगिड़, उगम सिंह शेखावत, रामनिवास डांगी, राजपाल सिंह, चीमन सिंह, करणी सिंह, रामलाल भड़िया, बजरंग लाल डांगी, बजरंग सिंह,

भगवानराम डांगी, सतपाल सिंह, रतन सिंह, फूलचंद फरड़ोलिया, रामप्रसाद भड़िया, जोगेंद्र सिंह, सांवरमल डांगी, शयोपाल सिंह शेखावत, बहादुर सिंह, राजपाल शर्मा, संदीप झाझड़िया, कालूराम, बालूराम, जगदीश डांगी, डूंगरमल, श्रवण झाझड़िया, नेमीचंद झाझड़िया सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

ग्रामीणों ने विश्वास जताया कि पुस्तकालय एवं वाचनालय का निर्माण पूर्ण होने के बाद यह भवन गांव में शिक्षा, साहित्य और ज्ञान-वर्धन गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनेगा तथा नई पीढ़ी को अध्ययन के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराएगा। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनों ने पुस्तकालय निर्माण में सहयोग देने वाले भामाशाहों का आभार व्यक्त करते हुए इस पहल को गांव के विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया।

सांसद बृजेन्द्र सिंह ओला के जन्मदिवस पर युवा जागृति मंच ने किया वृक्षारोपण

भीम प्रज्ञा न्यूज.पिलानी।

झुंझुनूं के सांसद बृजेन्द्र सिंह ओला के जन्मदिवस के शुभ अवसर पर युवा जागृति मंच, पिलानी द्वारा पिलानी गौशाला परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए मंच के सदस्यों ने पौधे लगाकर उनके संरक्षण का संकल्प लिया।कार्यक्रम में प्रेम प्रकाश मोयल (अध्यक्ष युवा जागृति मंच), सत्यवीर जागिड़ (निदेशक, टैगोर पब्लिक स्कूल),

प्रदीप झाझरिया (संयोजक, युवा जागृति मंच), राजेन्द्र सैनी, बाबूलाल सैनी, सुमेर स्वामी, हरी नायक, नितेश मोयल, सुरेश आलडिया सहित युवा जागृति मंच के सदस्य एवं पिलानी गौशाला के सदस्य उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान सभी ने सांसद बृजेन्द्र सिंह ओला को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके स्वस्थ, सुखद एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। साथ ही अधिक से अधिक वृक्ष लगाने एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति समाज को जागरूक करने का संदेश दिया।

स्व. सुरेश चन्द्र तेतरवाल की स्मृति में रक्तदान व निशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित, 70 यूनिट रक्त संग्रहित

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । आदर्श विद्या मंदिर मंडावा एवं सुरेश चन्द्र तेतरवाल वेलफेयर सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में दिवंगत शिक्षाविद स्व. सुरेश चन्द्र तेतरवाल की पुण्य स्मृति में रक्तदान शिविर, निशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं सर्जरी परामर्श शिविर का आयोजन श्रद्धा और सेवा भाव के साथ किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, शिक्षाविदों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्व. सुरेश चन्द्र तेतरवाल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि सभा के साथ हुआ। इस अवसर पर शिक्षाविद मखनलाल यादव, महेश चन्द्र तेतरवाल, नरेंद्र सिगड़ा, ताराचंद भींचर, रवींद्र तेतरवाल, अमित तेतरवाल, विद्याधर धायल, प्यारेलाल फरडोलिया, मुजिबर रहमान भाटी, शीशराम जाखड़, आदर्श तेतरवाल, अभिषेक भींचर, कमलेश तेतरवाल, संजय तेतरवाल एवं नरेश जाखड़ सहित अनेक लोगों ने स्वर्गीय तेतरवाल को श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके शिक्षा एवं समाजसेवा के योगदान को याद किया।

शिविर में लगभग 250 नागरिकों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया, वहीं 70 युवाओं ने रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया।

रक्तदाताओं के उत्साह ने कार्यक्रम को विशेष रूप से प्रेरणादायी बना दिया। संस्था निदेशक अभिषेक तेतरवाल ने स्व. सुरेश चन्द्र तेतरवाल के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में मंडावा क्षेत्र को नई दिशा प्रदान की तथा समाज के उत्थान के लिए सदैव समर्पित रहे। उन्होंने कहा कि यह शिविर उनके सेवा, समर्पण और मानवता के मूल्यों को आगे बढ़ाने का एक प्रयास है। प्रधानाचार्य श्रवण कुमार ने बताया कि प्रातः 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित चिकित्सा एवं परामर्श शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने सेवाएं प्रदान कीं। शिविर में डॉ. नरेन्द्र चौहान (नेत्र रोग विशेषज्ञ), डॉ. नवीन अग्रवाल (यूरोलॉजिस्ट) एवं डॉ. नदीम खान ने मरीजों की जांच कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। साथ ही जरूरतमंद मरीजों को निशुल्क दवाइयों का भी वितरण किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य मुकेश कुमार स्वामी ने कहा कि स्व. सुरेश चन्द्र तेतरवाल का जीवन शिक्षा, समाजसेवा और मानव कल्याण के लिए समर्पित रहा। वे एक कर्मठ, दूरदर्शी एवं सेवाभावी व्यक्तित्व के धनी थे, जिनके आदर्श आज भी समाज को प्रेरित कर रहे हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में आदर्श विद्या मंदिर के समस्त स्टाफ, छात्र-छात्राओं तथा सुरेश चन्द्र तेतरवाल वेलफेयर सोसायटी के सदस्यों का विशेष योगदान रहा। उपस्थित लोगों ने ऐसे सेवा कार्यों को समाज के लिए अत्यंत उपयोगी बताते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार के जनहितकारी आयोजनों की आवश्यकता पर बल दिया।

महालक्ष्मी धाम चिड़ावा में वार्षिक मूर्ति स्थापना समारोह का आयोजन 4 से 6 जुलाई तक

आयोजन की तैयारियों को लेकर सनातन आश्रम विकास समिति की बैठक का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

शहर के सनातन आश्रम स्थित महालक्ष्मी धाम का वार्षिक मूर्ति स्थापना उत्सव श्रद्धा और भक्ति के साथ 4 जुलाई से 6 जुलाई तक मनाया जाएगा। तीन दिवसीय यह धार्मिक आयोजन धार्मिक वातावरण, मंत्रोच्चार और भजन की रसधारा से भरा होगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। आयोजन को लेकर सनातन आश्रम विकास समिति की बैठक का आयोजन हुआ जिसमें आयोजन की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई व सदस्यों को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गई। जानकारी देते हुए समिति के तेज प्रकाश सोनी व गिरधर गोपाल महमियां ने बताया कि तीन दिवसीय धार्मिक आयोजन

शुरुआत शनिवार, 4 जुलाई को सुबह 9:15 बजे गणेश पूजन से होगी, जिसके बाद दोपहर 3:15 बजे से संगीतमय हनुमत ज्योति मंगलपाठ का आयोजन किया जाएगा। अगले दिन रविवार , 5 जुलाई को दोपहर 3:15 बजे से संगीतमय श्याम ज्योति पाठ का विशेष आयोजन होगा। सोमवार 6 जुलाई कार्यक्रम का मुख्य दिन रहेगा। इस दिन सुबह 9:15 बजे महालक्ष्मी यज्ञ का आयोजन किया जाएगा। यज्ञ के बाद 10:15 बजे महाआरती संपन्न होगी और फिर सुबह 11:15 बजे से भक्तों को प्रसाद वितरण किया जाएगा। कार्यक्रम का संयोजन वाणीभूषण प्रभुशरण तिवाड़ी और उनके सहयोगी सदस्य, भगवत जन परिवार एवं सनातन आश्रम विकास समिति द्वारा किया जा रहा है। बैठक में पूर्व पार्षद शिवलाल सैनी, महेंद्र बदनगडिया, नगेंद्र शर्मा निकुंज, बालकृष्ण चौरासिया, रामनिवास जांगिड़, महेन्द्र सिंह रणवा, यादव प्रसाद शर्मा, महेशचंद शर्मा, राजीव व्यास, राजेन्द्र शर्मा, रत्तीराम राजोतिया, सज्जन कुमार, महेंद्र सैनी, देवीदत्त शर्मा, मातूराम महर्षी सहित अन्य मौजूद रहे।आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं से निवेदन किया है कि वे अधिकाधिक संख्या में पहुंचकर इस धार्मिक अनुष्ठान का पुण्य लाभ लें।

सेवा ही सबसे बड़ा सम्मान, डॉक्टरों के प्रति जताया समाज का आभार

डॉक्टर दिवस पर लायंस क्लब मंडावर ने चिकित्सकों का किया अभिनंदन, मानव सेवा को बताया सर्वोच्च धर्म।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस के अवसर पर लायंस क्लब मंडावर ने क्षेत्र के चिकित्सकों का सम्मान कर उनके प्रति समाज का आभार व्यक्त किया। राजकीय अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. सुनीता मीणा, डॉ. मनीषा मीणा, डॉ. प्रीतम चंद मीणा, डॉ. अशोक कुमार मीणा एवं डॉ. जगदीश बुराहनिया का माल्यार्पण कर सम्मान किया गया। वहीं रोहित हॉस्पिटल में डॉ. रोहित गुप्ता और डॉ. पवन खंडेलवाल का भी अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि 'जहां सेवा का दीप जलता है, वहीं जीवन उम्मीद से पलता है।' चिकित्सक अपने ज्ञान, समर्पण और सेवा भावना से समाज को स्वस्थ जीवन देने का सतत कार्य कर रहे हैं और उनका योगदान सदैव सम्मान का अधिकारी रहेगा। क्लब के पदाधिकारियों ने चिकित्सा सेवा को मानवता का सर्वोच्च धर्म बताते हुए सभी चिकित्सकों को डॉक्टर दिवस की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में क्लब अध्यक्ष दीपक गुप्ता, सचिव दीपक जैन, विपुल झालानी, चंद्रशेखर ठाकुरिया, योगेश मंगल, नरेंद्र बंसल, पूर्व जोन चेयरपर्सन राजेश अग्रवाल, लियो शुभम बंसल, मुकुल जैन सहित क्लब के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

सहकारी कृषि एवं ग्रामीण बैंक अटेली में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 35 लोगों की बीपी, शुगर व दूसरी जांच हुई, दवा आदि दी गई

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । प्राथमिक सहकारी कृषि एवं ग्रामीण बैंक अटेली की ओर से बुधवार को परिसर में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। निःशुल्क शिविर में 35 लोगों की जांच में बीपी, शुगर के अलावा दूसरी जांच करने के अलावा चिकित्सा परामर्श दिया गया। शिविर का शुभारंभ प्रबंधक किशन लाल व निदेशक अशोक कुमार ने किया। शिविर सीएचओं डा. सुनिल कुमार व डा. सीमा की देखरेख में लोगों की जांच की गई। प्रबंधक किशन लाल ने कहा कि बैंक किसान व मजदूरों को कृषि ऋण के अलावा अन्य सहायता प्रदान तो करता ही है वही उनके बेहतर स्वास्थ्य के प्रति भी गंभीर है। इसी कड़ी में बैंक परिसर में स्वास्थ्य कैंप लगाया गया है। इस मौके पर एलवीओं सुनिल कुमार, लेखाकार देवेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

जैतपुरधाम में नवनिर्मित श्याम कुंड का 5 जुलाई को उद्घाटन, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव करेंगे शुभारंभ, लखवीर सिंह लक्खा देंगे भजनों की प्रस्तुति

भीम प्रज्ञा न्यूज.मांढण।

रमेशचंद । काठूवास के समीपवर्ती प्राचीन धर्म स्थल हुड़िया जैतपुर स्थित बाबा दयालदास मंदिर के महामंडलेश्वर रामेश्वरदास महाराज के सानिध्य में श्याम भक्तों के लिए जैतपुरधाम श्याम मंदिर के समीप नवनिर्मित विशाल श्याम कुंड का उद्घाटन समारोह रविवार, 5 जुलाई को आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में कुंड का लोकार्पण करेंगे। महामंडलेश्वर रामेश्वरदास महाराज ने बताया कि जैतपुरधाम में श्याम बाबा का विशाल मेला भरता है, जिसमें देशभर से लाखों श्रद्धालु प्रतिवर्ष हदर्शन के लिए आते हैं। श्रद्धालुओं की आस्था को देखते हुए खादूधाम की तर्ज पर यहां भी श्याम कुंड का निर्माण कराया गया है, ताकि भक्त स्नान कर बाबा के दर्शन का पुण्य लाभ ले सकें। उद्घाटन समारोह में बहरोड़ विधायक डॉ. जसवंत यादव एवं भाजपा नेता डॉ. मोहित यादव विशिष्ट अतिथि होंगे। इस अवसर पर प्रसिद्ध भजन गायक लखबीर सिंह लक्खा भजनों की प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम के दौरान विशाल भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा। इससे पूर्व शनिवार, 4 जुलाई को श्याम कुंड परिसर में नवनिर्मित मंदिर में श्याम बाबा की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा की जाएगी। मूर्ति स्थापना से पहले विशाल कलश यात्रा एवं भव्य शोभायात्रा निकाली

जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। आयोजन को लेकर जैतपुरधाम में तैयारियां जोरों पर हैं। देशभर से हजारों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

माजरा काठ में श्रद्धा-भक्ति के साथ संपन्न हुआ संतोषी माता का पांचवा विशाल भंडारा एवं जागरण, सैकड़ों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । तहसील नीमराना के माजरा काठ गांव में समस्त ग्रामवासियों के तत्वावधान में संतोषी माता का पांचवा विशाल भंडारा एवं जागरण श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ। दो दिवसीय धार्मिक आयोजन में आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और माता का आशीर्वाद लेकर प्रसादी ग्रहण की। कार्यक्रम की शुरुआत मंगलवार, 30 जून 2026 की रात्रि 8:00 बजे से माता के जागरण के साथ हुई। जागरण में ग्राम जाट बहरोड़ की प्रसिद्ध महिपाल एण्ड पार्टी ने सुमधुर भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को देर रात तक भक्तिरस में सराबोर किया। पूरी रात माता के जयकारों और भजनों से माहौल भक्तिमय बना रहा। बुधवार, 1 जुलाई 2026 को प्रातः 10:15 बजे से भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें जयवीर भाटी एण्ड पार्टी के कलाकारों ने संध्या चौधरी, कोमल चौधरी एवं अन्नु चौधरी के साथ मनमोहक भजनों की प्रस्तुति दी। इसके बाद प्रातः 11:00 बजे से विशाल भंडारे का शुभारंभ

हुआ, जो श्रद्धालुओं के आगमन तक अनवरत चलता रहा। श्रद्धालुओं ने पंगत में बैठकर प्रसादी ग्रहण की।

इस धार्मिक आयोजन में चरण सिंह छिल्लर, जितेंद्र सिंह छिल्लर, अशोक कुमार छिल्लर, एडवोकेट सतीश समरिया, अमित कुमार सहित क्षेत्र के गणमान्य लोगों व युवाओं ने बढ़-चढ़कर सेवा कार्य में भाग लिया। समस्त ग्रामवासी माजरा काठ के सहयोग से आयोजित संतोषी माता का यह पांचवा वार्षिक भंडारा सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

नीमराना में हादसा: डिलीवरी ऑफिस के पास खुले ट्रांसफार्मर से करंट लगने से दो सांडों की मौत, गौ सेवकों में भारी आक्रोश

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । कस्बे में डिलीवरी ऑफिस के बगल में एक कंपनी द्वारा बाहर रखे गए ट्रांसफार्मर की लापरवाही से बुधवार को दर्दनाक हादसा हो गया। जमीन से मात्र 3 फीट की ऊंचाई पर रखे इस खुले ट्रांसफार्मर के नीचे दो सांड घुस गए, जिनकी करंट लगने से मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में आक्रोश फैल गया। घटना की सूचना मिलते ही गौ सेवक जॉनी, अमित, अंकित, प्रदीप, नवीन, दिनेश सहित बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्रित हो गए। गुस्साए लोगों ने नगर पालिका प्रशासन और बिजली कंपनी की घोर लापरवाही पर नाराजगी जताई। गौ सेवकों का कहना है कि ट्रांसफार्मर खुले में और जमीन से

बेहद कम ऊंचाई पर रखा गया है, जिससे आए दिन हादसे का खतरा बना रहता है। गौ सेवकों ने चेतावनी दी कि यदि ट्रांसफार्मर को तुरंत जमीन से कम से कम 5 फीट की सुरक्षित ऊंचाई पर नहीं उठाया गया तो कल को कोई बड़ा जनहानी का हादसा भी हो सकता है। लोगों ने मांग की है कि प्रशासन मृत सांडों का पोस्टमार्टम करवाकर जिम्मेदार कंपनी के खिलाफ कार्रवाई करे और तत्काल प्रभाव से ट्रांसफार्मर को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया जाए। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पहले भी कई बार प्रशासन को इस खतरनाक स्थिति से अवगत कराया गया, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। फिलहाल मौके पर तनाव का माहौल है और गौ सेवक कार्रवाई की मांग पर अड़े हुए हैं।

बिना टिकट यात्रा पर आगरा मंडल की बड़ी कार्रवाई, जून में 3.42 करोड़ से अधिक का जुर्माना वसूला

44 हजार से ज्यादा मामलों में चला विशेष जांच अभियान, पिछले साल से करीब 13 फीसदी बढ़ा रेल राजस्व

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर-आगरा।

मनोज खंडेलवाल । आगरा रेल मंडल ने बिना टिकट और अनियमित यात्रा करने वालों के खिलाफ जून-2026 में व्यापक जांच अभियान चलाकर 3.42 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना वसूल किया है। मंडल रेल प्रबंधक गगन गोयल के निर्देशन और वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अंकित गुप्ता के नेतृत्व में मंडल के प्रमुख स्टेशनों तथा विभिन्न रेल खंडों पर रनिंग ट्रेन चेक, स्पॉट चेक, किलेबंदी और मजिस्ट्रेट जांच जैसे विशेष अभियान चलाए गए। अभियान के दौरान बिना टिकट और अनियमित यात्रा करते मिले 44,066 यात्रियों से 3 करोड़ 41 लाख 98 हजार 860 रुपये का जुर्माना वसूला गया। वहीं बिना बुक कराए सामान ले जाने के 74 मामलों में 9,750 रुपये का जुर्माना लगाया गया। इस प्रकार कुल 44,144 मामलों में 3 करोड़ 42 लाख 8 हजार 610 रुपये का रेल राजस्व अर्जित किया गया। यह उपलब्धि पिछले वर्ष जून माह की तुलना में करीब 12.87 प्रतिशत अधिक रही, जिससे रेल राजस्व संरक्षण के प्रति मंडल की सख्त कार्रवाई और प्रभावी टिकट जांच व्यवस्था की पुष्टि होती है। जनसंपर्क अधिकारी संजय कुमार गौतम ने बताया कि बिना टिकट और अनियमित यात्रा पर अंकुश लगाने के लिए ऐसे अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे। रेल प्रशासन ने यात्रियों से वैध टिकट लेकर यात्रा करने, निर्धारित सीमा से अधिक सामान का विधिवत बुकिंग कराने तथा रेल परिसर में स्वच्छता बनाए रखने और धूम्रपान से परहेज करने की अपील की है।

आंगनबाड़ी चलो अभियान को मिली नई गति, खिलौना बैंक और वृक्षारोपण से बच्चों के सर्वांगीण विकास का संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । महिला एवं बाल विकास विभाग, मंडावा द्वारा संचालित 'आंगनबाड़ी चलो अभियान-2026' के तहत बुधवार को क्षेत्र के आंगनबाड़ी केंद्रों पर प्रवेश उत्सव, खिलौना बैंक एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अधिकाधिक बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्रों से जोड़ना, प्रारंभिक शिक्षा को बढ़ावा देना तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता विकसित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान आंगनबाड़ी केंद्रों में नवप्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर एवं माल्यार्पण कर आत्मीय स्वागत किया गया। बच्चों को खिलौने, शिक्षण सामग्री एवं अन्य उपयोगी सामग्री वितरित की गई। इस अवसर पर स्थापित किए गए खिलौना बैंक के माध्यम से बच्चों को खेल-खेल में सीखने की अवधारणा से परिचित कराया गया। अधिकारियों ने बताया कि खिलौनों के माध्यम से बच्चों में रचनात्मकता, कल्पनाशीलता, सामाजिक सहभागिता तथा बौद्धिक विकास को प्रोत्साहन मिलेगा।

कार्यक्रम में बाल विकास परियोजना अधिकारी सावित्री कृष्णिया एवं उषा कुलहरी के निर्देशन में वृक्षारोपण अभियान भी चलाया गया। आंगनबाड़ी

कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, महिलाओं एवं विभागीय कर्मचारियों ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। सभी ने पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प भी लिया। अधिकारियों ने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, स्वस्थ और हरित वातावरण तैयार करने की महत्वपूर्ण पहल है। इस दौरान अभिभावकों को आंगनबाड़ी केंद्रों पर उपलब्ध पोषण सेवाओं, टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच, पूर्व-प्राथमिक शिक्षा तथा सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्हें अपने बच्चों का नियमित नामांकन करवाने एवं आंगनबाड़ी गतिविधियों से निरंतर जोड़ने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में विभाग की ओर से संचालित 'हमारा संकल्प' अभियान के तहत सभी उपस्थित जनों ने यह संकल्प भी लिया कि प्रत्येक पात्र बच्चे को आंगनबाड़ी सेवाओं का लाभ दिलाया जाएगा, बच्चों के पोषण एवं शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाए जाएंगे। बाल विकास परियोजना कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में लेखाकार रवि कुमार, दीपक, विजेंद्र, गणेश सिंह सहित विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। सभी ने अभियान को जन-जन तक पहुंचाकर सफल बनाने तथा अधिकाधिक बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्रों से जोड़ने का संकल्प व्यक्त किया। अधिकारियों ने बताया कि 'हर बच्चा आंगनबाड़ी जाए, शिक्षित बने, स्वस्थ बने और सुरक्षित रहे' की भावना के साथ अभियान को निरंतर आगे बढ़ाया जा रहा है। आगामी दिनों में भी विभाग द्वारा जागरूकता रैलियां, जनसंपर्क अभियान, पौधारोपण कार्यक्रम एवं सामुदायिक सहभागिता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी, ताकि प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण पोषण, प्रारंभिक शिक्षा एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

रतिया व लहरिया बस स्टैंड पर साइबर सुरक्षा, महिला सुरक्षा एवं दहेज निषेध को लेकर जागरूकता अभियान

साइबर ठगी से बचाव, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग एवं 'अभेद्य ऐप' की दी विस्तृत जानकारी

महिला सुरक्षा टीम ने यात्रियों, महिलाओं एवं युवाओं को किया जागरूक, दहेज मुक्त समाज का दिलाया संकल्प

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक श्रीमती निकिता खट्टर, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में महिला सुरक्षा टीम फतेहाबाद द्वारा जनजागरूकता अभियान निरंतर चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में रतिया एवं लहरिया बस स्टैंड पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर आमजन को साइबर अपराधों से बचाव, महिला सुरक्षा, सोशल मीडिया के सुरक्षित एवं जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग तथा दहेज प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरूक किया गया। अभियान का संचालन महिला सुरक्षा टीम प्रभारी निरीक्षक अरुणा तथा यातायात शाखा के मुख्य सिपाही राजेंद्र कुमार के नेतृत्व में किया

गया।अभियान के दौरान टीम ने बस स्टैंड पर मौजूद यात्रियों, महिलाओं, युवाओं एवं अन्य नागरिकों से संवाद स्थापित कर उन्हें साइबर ठगी के लगातार बदलते तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। लोगों को बताया गया कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें, ओटीपी, बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी या पासवर्ड किसी के साथ साझा न करें, स्क्रीन शेयरिंग ऐप डाउनलोड करने से बचें तथा सोशल मीडिया पर प्राप्त संदिग्ध संदेशों, फर्जी कॉल एवं ऑनलाइन ठगी के प्रयासों से सतर्क रहें। किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी होने पर तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 अथवा राष्ट्रीय साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने के लिए प्रेरित किया गया।टीम ने सोशल मीडिया का सुरक्षित एवं जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग करने, व्यक्तिगत जानकारी सार्वजनिक न करने तथा फर्जी प्रोफाइल और ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव के संबंध में भी महत्वपूर्ण सुझाव दिए। साथ ही महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों, महिला सुरक्षा संबंधी कानूनों एवं उपलब्ध सहायता सेवाओं की जानकारी देकर जागरूक किया गया।कार्यक्रम के दौरान दहेज प्रथा के सामाजिक एवं कानूनी दुष्परिणामों पर भी विस्तार से चर्चा की गई तथा उपस्थित नागरिकों को दहेज न लेने और न देने का संकल्प दिलाया गया। टीम ने कहा कि दहेज जैसी सामाजिक कुरीतियों का समूल उन्मूलन तभी संभव है, जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति इसके विरुद्ध जागरूक होकर अपनी सक्रिय भागीदारी निभाए।इसके अलावा महिला सुरक्षा के लिए विकसित 'अभेद्य ऐप' की विशेषताओं एवं आपातकालीन परिस्थितियों में इसके प्रभावी उपयोग की जानकारी भी दी गई। उपस्थित लोगों ने फतेहाबाद पुलिस के इस जनजागरूकता अभियान की सराहना करते हुए इसे समाजहित में अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक पहल बताया।

एसडीएम विश्वामित्र मीणा ने किया शहरी सेवा शिविर का निरीक्षण

मौके पर सुनी जनसमस्याएं; लाभार्थियों को वितरित किए पट्टे

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । मंडावा नगर पालिका परिसर में आयोजित शहरी सेवा शिविर का बुधवार को उपखंड अधिकारी (एसडीएम) विश्वामित्र मीणा ने निरीक्षण कर विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभागवार स्टॉलों का अवलोकन करते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एसडीएम मीणा ने कहा कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक सरल, पारदर्शी एवं प्रभावी तरीके से पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने शिविर में आए नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को कई मामलों में मौके पर ही समाधान करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर शिविर में विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को पट्टों का वितरण भी किया गया, जिससे लाभार्थियों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। शिविर में बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लेकर विभिन्न विभागों की सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ प्राप्त किया। नगर पालिका अधिशासी अधिकारी लोकेंद्र सिंह शेखावत ने शिविर की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि शहरी सेवा शिविरों के माध्यम से आमजन को विभिन्न विभागों की सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविर पारदर्शी,

जवाबदेह एवं जनहितकारी प्रशासन की दिशा में प्रभावी पहल साबित हो रहे हैं। शिविर में प्रारूपकार आनंद बिहारी सोलंकी, सुरजीत यादव, सत्यनारायण शर्मा, तेजपाल सेन, ममता, संजू, अरविंद कुमार, राहुल शर्मा, सचिन जोशी, प्रवीण कुमार, विकास कुमार, राजकुमार, मुकेश कुमार एवं नरेंद्र कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। पीएचईडी विभाग से सुरेश कुमार, चिकित्सा विभाग से डॉ. विशाखा कटारिया, डॉ. अनीता चौधरी, पुष्पा, आईसीडीएस विभाग से रुकसाना बानो, अजय सिंह, अमन बुडानिया, सुनीता कुमारी, उमेश, बबीता, किरण तथा जगदीश मीणा ने भी शिविर में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए आमजन को विभागीय सेवाएं एवं योजनाओं की जानकारी प्रदान की।

शिविर के दौरान प्रशासन की ओर से नागरिकों को सरकारी योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने तथा अपनी समस्याओं के समाधान के लिए ऐसे शिविरों में सक्रिय भागीदारी करने की अपील भी की गई। शहरी सेवा शिविर में विभिन्न विभागों के समन्वय और त्वरित कार्यप्रणाली ने आमजन के बीच प्रशासन के प्रति विश्वास को और मजबूत किया।

सरपंच विक्रम के बच्चों ने अपना गुल्लक तोड़ कर 51 हजार रुपए का दान दिया

गांव रामपुरा में यादव महासभा के लिए 8 लाख रुपए का सहयोग मिला

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । यादव महासभा अटेली में भूखंड के लिए समाज की ओर से उदार सहयोग राशि मिल रही है। महासभा के प्रधान विकास यादव व महासचिव सतीश कुमार डीएसपी सहित अनेक महासभा के सदस्य मौजूद रहे। गांव रामपुरा में यादव महासभा अटेली ने सहयोग राशि के लिए गये ग्रामीणों ने करीब आठ लाख की सहर्ष भेंट कि ये। गांव में कुल राशि एकत्रित हुई। गांव के पूर्व सरपंच विक्रम के पिता ने 1 लाख 51 हजार भेंट की। वही सरपंच के बच्चों आरूषी व मीनाक्षु ने अपने गुल्लक की राशि से 50 हजार रुपए का दान दिया। प्रधान विकास यादव ने बताया कि दीपक पुत्र किशन लाल ने 1 लाख, हवलदार श्री राम पुत्र रणजीत ने एक लाख, लाल सिंह गिरदावर पुत्र रामस्वरूप ने 71 हजार, भाजपा महामंत्री राजपाल पुत्र किशन लाल ने 51 हजार, चंदगीराम साहब पुत्र चिरंजीलाल ने 51 हजार, मदनलाल पुत्र हरदयाल

ने 51 हजार, श्याम सिंह पुत्र कालुराम ने 51 हजार, राजेंद्र पुत्र देवकरण ने 51 हजार, सूबेदार सूबे सिंह पुत्र जयनारायण ने 31 हजार, घीसाराम पुत्र रामप्रसाद 21 हजार, सोमदत्त पुत्र हरिसिंह ने 11 हजार, लीलाराम पुत्र बधुराम ने 11 हजार, जुगलाल पुत्र बृजलाल ने 11 हजार, राकेश कुमार पुत्र चंदगीराम ने 11 हजार, प्रदीप कुमार पुत्र बिरेंद्र आर्य ने 11 हजार, ईश्वर पंच पुत्र मेहरचंद 11 हजार, नरेश पुत्र सोमदत्त, 51 सौ का दान दिया। यादव महासभा के सभी सदस्यों ने रामपुरा के सहयोग दाताओं का आभार व्यक्त करते हुए उनके स्वस्थ एवं सुखद जीवन की कामना की।

केंद्रीय जेल 2, हिसार में जेल लोक अदालत का आयोजन, तीन बंदियों को किया रिहा

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश दीपक अग्रवाल के मार्गदर्शन में केंद्रीय जेल 2, हिसार में जेल लोक अदालत का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी डॉ. सुयशा जावा ने की। सीजेएम डॉ. सुयशा जावा ने बताया कि जेल लोक अदालत हर महीने लगाई जाती है जिसमें केसों का निपटारा मौके पर ही जिला कारागार में ही किया जाता है। जेल लोक अदालत में तीन विचाराधीन बंदियों को रिहा किया गया। जेल लोक अदालत का उद्देश्य विचाराधीन बंदियों को न्याय दिलाने में तेजी लाना और उन्हें विशिष्ट श्रेणियों के मामलों में कानूनी राहत प्रदान करना है। फतेहाबाद जिले में अपनी जेल नहीं है इसलिए केंद्रीय जेल हिसार 2 में फतेहाबाद व हिसार दोनों जिलों के लिए सुधारात्मक सुविधा के रूप में कार्य करती है। उन्होंने कहा कि जेल लोक अदालत छोटे अपराधों और समझौता योग्य आपराधिक मामलों से संबंधित मामलों को सुलझाने के लिए एक प्रभावी न्यायिक मंच के रूप में कार्य करती है।

सीजेएम ने जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया

और विचाराधीन महिला कैदियों बारे जेल प्रशासन से पूछताछ की। उन्होंने विचाराधीन महिला कैदियों को दी जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली, जिस के संबंध में कोई मौखिक शिकायत नहीं दी। सीजेम सुयशा जावा ने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के टोल फ्री नंबर 15100 व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण फतेहाबाद के हेल्पलाइन नंबर 01667-231174 व टोल फ्री नंबर 1800-180-2057 पर सुबह 9.30 बजे से सायं 5 तक किसी भी कार्य दिवस को फोन द्वारा हर प्रकार की कानूनी सहायता व जानकारी दी जाती है। इसके अलावा जेल परिसर का भी निरीक्षण किया और साफ सुथरा पाया गया।

फतेहाबाद जिले में 1746.53 लाख रुपये की लागत से 20 अमृत सरोवरों का हुआ लोकार्पण

राज्य स्तरीय कार्यक्रम के साथ जिला मुख्यालय पर हुआ सीधा प्रसारण

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । हरियाणा सरकार द्वारा प्रदेशभर में विकसित 325 अमृत सरोवरों के राज्य स्तरीय लोकार्पण कार्यक्रम का आयोजन बुधवार को अंबाला के नारायणगढ़ में किया गया। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का जिला स्तर पर भी डीपीआरसी हॉल में सीधा प्रसारण किया गया, जिसमें जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने भाग लिया।जिला मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में रतिया के विधायक जरनैल सिंह, पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, पूर्व विधायक दुड़ाराम, जिला भाजपा अध्यक्ष प्रवीण जोड़ा, एचएसएफडीसी चेयरमैन बलदेव ग्रोहा, जिला परिषद चेयरमैन सुमन खिचड़, पूर्व विधायक लक्ष्मण नापा उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री के राज्य स्तरीय संबोधन का सीधा प्रसारण भी देखा गया। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी

अधिकारी सुरेश कुमार ने बताया कि इस अवसर पर फतेहाबाद जिले में 1746.53 लाख रुपये की लागत से विकसित 20 अमृत सरोवरों का भी लोकार्पण किया गया। उन्होंने कहा कि अमृत सरोवर योजना के तहत जल संरक्षण, भू-जल स्तर में सुधार तथा ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इन सरोवरों का विकास किया गया है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि जिन 20 अमृत सरोवरों का लोकार्पण किया गया उनमें भट्ठकलां खंड के बनावाली व ढाबी खुर्द, भूना खंड के डुल्ट के दो सरोवर तथा नाढोड़ी के दो सरोवर, फतेहाबाद खंड के बीघड़ व झलनिया, जाखल खंड के साधनवास, नागपुर खंड के मढ़ व जांडवाला सोतर, रतिया खंड के रत्नगढ़ तथा टोहाना खंड के चिल्लेवाला, चित्तैन, डांगरा, हैदरवाला, कन्हड़ी, कुल्लां, समैन व सनियाना गांव शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अमृत सरोवर ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण के साथ-साथ प्राकृतिक सौंदर्य और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा देंगे। इन सरोवरों से वर्षा जल संचयन, भू-जल पुनर्भरण तथा ग्रामीण समुदाय को दीर्घकालिक लाभ मिलेगा। राज्य सरकार जल संरक्षण एवं ग्रामीण विकास की दिशा में लगातार प्रभावी कार्य कर रही है। कार्यक्रम में डीपीडीपीओ अनूप सिंह, उप निदेशक सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग अमित पंवार, संबंधित खंड के बीडीपीओ और संबंधित गांव के सरपंच सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

डीसी डॉ. विवेक भारती ने भूना में बरसाती पानी निकासी के कार्य का किया निरीक्षण

भीम प्रज्ञा न्यूज.भूना/फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । फतेहाबाद डीसी डॉ. विवेक भारती ने बुधवार को भूना में बरसाती पानी निकासी के कार्य का निरीक्षण कर संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जन स्वास्थ्य विभाग और शहरी स्थानीय निकाय विभाग के अधिकारियों से चल रहे कार्यों की प्रगति की जानकारी प्राप्त की और कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए। डीसी ने अधिकारियों को सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप पूरा करने के निर्देश भी दिए।डीसी ने अपने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि बरसात के मौसम में कही भी जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो और लोगों को किसी प्रकार की

परेशानी न आए। इसके लिए संबंधित विभाग के अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने विभागों को समयबद्ध कार्रवाई, संसाधनों की उपलब्धता तथा आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए प्रभावी कार्य योजना तैयार रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर नगरपालिका सचिव दीपक, एसडीओ भागीराम सहित संबंधित विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

शहरी सेवा शिविर में विभिन्न प्रकरणों का निस्तारण, लाभार्थी को मिला पट्टा

भीम प्रज्ञा न्यूज.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । राज्य सरकार के निर्देशानुसार संचालित शहरी सेवा शिविर-2026 के तहत बुधवार को बीकानेर विकास प्राधिकरण कार्यालय परिसर में शिविर आयोजित किया गया। शिविर में आयुक्त सिद्धार्थ पलानीस्वामी एवं सचिव हेमेन्द्र नागर ने आमजन से संवाद कर उनकी समस्याएं और सुझाव सुने तथा संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। आयुक्त ने कहा कि प्रत्येक प्रकरण का निर्धारित समय-सीमा में समाधान सुनिश्चित किया जाए, जिससे आमजन को अनावश्यक कार्यालयी प्रक्रियाओं से राहत मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को शिविर की मूल भावना के अनुरूप प्रत्येक आवेदक को संतोषजनक एवं प्रभावी समाधान उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। शिविर के दौरान कृषि भूमि पर बसी स्वीकृत कॉलोनी के लाभार्थी रामचन्द्र

को पट्टा वितरित किया गया। लाभार्थी ने पट्टा प्राप्त कर प्रसन्नता व्यक्त की तथा राज्य सरकार के प्रति आभार जताया।शिविर में विभिन्न प्रकरणों का निस्तारण किया गया। इनमें कृषि भूमि पर बसी स्वीकृत योजनाओं के 21 पट्टे, प्राधिकरण की स्वयं की योजनाओं के 3 पट्टे, बकाया लीज जमा कराने पर 2 फ्री होल्ड एवं लीज मुक्ति प्रमाण-पत्र, 7 नामांतरण तथा 45 अन्य प्रकरणों का निस्तारण शामिल रहा। शिविर में जोन उपायुक्त कुणाल राहड़, ऋषि सुधांशु पाण्डेय सहित प्राधिकरण के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बीकानेर में धार्मिक स्थलों के मुद्दे पर महापड़ाव, पूर्व मंत्री गोविंदराम मेघवाल ने सरकार पर साधा निशाना

सर्वधर्म सभा व आक्रोश रैली में बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी, धार्मिक स्थलों के पुनर्निर्माण सहित छह सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा

भीम प्रज्ञा न्यूज.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । सीमावर्ती क्षेत्रों में धार्मिक स्थलों को तोड़े जाने के विरोध में बुधवार को बीकानेर जिला कलेक्ट्री परिसर स्थित कर्मचारी मैदान में डॉ. आंबेडकर टाइगर फोर्स, संविधान न्याय सभा, किसान ब्रिगेड एवं संघर्ष समिति के संयुक्त तत्वावधान में महापड़ाव, सर्वधर्म सभा और आक्रोश रैली आयोजित की गई। आयोजकों ने कार्यक्रम में लगभग 20 हजार लोगों की उपस्थिति का दावा किया। सभा को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री गोविंदराम मेघवाल ने केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न नीतियों की आलोचना की। उन्होंने खाजूवाला क्षेत्र के बांडका, पहलवान का वैरा और आडूरी में धार्मिक स्थलों को बिना विधिक प्रक्रिया के हटाए जाने का आरोप लगाते हुए कहा कि इससे लोगों की धार्मिक

भावनाएं आहत हुई हैं और क्षेत्र में भय का माहौल बना है।

अपने संबोधन में उन्होंने किसानों, बेरोजगारी, महंगाई, निजीकरण, नोटबंदी, जीएसटी, राष्ट्रीय सुरक्षा, संविधान, आरक्षण, चुनाव व्यवस्था तथा स्थानीय प्रशासन सहित अनेक राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय मुद्दों पर सरकार को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि संविधान की मूल भावना और सामाजिक सौहार्द को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है तथा सभी धर्मों के धार्मिक स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। सभा के बाद प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर के माध्यम से राष्ट्रपति एवं राजस्थान के मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बांडका की मस्जिद, पहलवान का वैरा और आडूरी की दरगाह के पुनर्निर्माण, सीमावर्ती क्षेत्रों में धार्मिक स्थलों पर कार्रवाई रोकने, संविधान की धर्मनिरपेक्ष भावना की रक्षा, बड़े धार्मिक स्थलों की कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच, धार्मिक एवं सार्वजनिक स्थलों के पट्टे जारी करने तथा वर्षों से बसे परिवारों को मालिकाना हक देने सहित छह प्रमुख मांगें रखी गईं। कार्यक्रम में सद्दाम भाटी, पीर मकबूल शाह, रामकुमार तेतरवाल, मकसूद अहमद, रामधन मेघवाल, मुफ्ती जमील अहमद, अशोक जाखड़, महावीर कस्वां सहित विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं किसान संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी संबोधित किया। बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सरपंच, सामाजिक कार्यकर्ता और विभिन्न समुदायों के लोग उपस्थित रहें।

स्व. रामेश्वरलाल डूडी की जयंती पर पूर्व मंत्री बी.डी. कल्ला ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

भीम प्रज्ञा न्यूज.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । पूर्व सांसद एवं विधानसभा में पूर्व नेता प्रतिपक्ष स्व. रामेश्वर लाल डूडी की जयंती के अवसर पर रानी बाजार स्थित जिला कांग्रेस कमेटी (देहात) कार्यालय में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में पहुंचकर माल्याअर्पण व पुष्पांजली अर्पित की। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री बी.डी. कल्ला ने स्वर्गीय रामेश्वर लाल डूडी के राजनीतिक, सामाजिक एवं जनसेवा के क्षेत्र में दिए गए उल्लेखनीय योगदान का स्मरण करते हुए उनके तैलचित्र पर माल्याअर्पण व पुष्पांजली कर उनका स्मरण किया। पूर्व कैबिनेट मंत्री बी.डी. कल्ला ने कहा कि स्वर्गीय रामेश्वरलाल डूडी का जीवन जनसेवा, सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति समर्पित रहा। उन्होंने किसानों, गरीबों और आमजन के हितों की हमेशा प्रभावी पैरवी की। उनकी सादगी, संघर्षशील व्यक्तित्व और जनहित के प्रति समर्पण कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगा। जिला संगठन महासचिव प्रहलादसिंह मार्शल ने बताया कि इस अवसर पर गिरधर जोशी, एड. प्रेम गोदारा, गजानन्द शर्मा, कमल गोयल, हिमान्शु किराडू, नथुसिंह, श्रीराम गहलोत, राकेश यादव आदि सहित अनेक कांग्रेसजन मौजूद रहें।

फीफा वर्ल्ड कप नॉकआउट मैच के किंग बने किलियन एम्बाप्पे

88 साल पुराना वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ रचा इतिहास

स्वीडन पर 3-0 की धमाकेदार जीत

फ्रांस के कप्तान किलियन एम्बाप्पे ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 में गोल करने का अपना शानदार फॉर्म जारी रखा हुआ है. उन्होंने टूर्नामेंट के राउंड ऑफ 32 मुकाबले में स्वीडन के खिलाफ 3-0 की जीत में दो गोल दागकर इतिहास रच दिया और नॉकआउट मैचों में सबसे ज्यादा गोल करने का ऑल-टाइम 88 साल पुराना वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ दिया.

नॉकआउट स्टेज में 10 गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए – अपने तीसरा वर्ल्ड कप में खेल रहे 27 वर्षीय एम्बाप्पे अब टूर्नामेंट के नॉकआउट स्टेज में 10 गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं. इससे पहले ये रिकॉर्ड ब्राजील के स्टार लियोनिडास और रोनाल्डो के नाम था. दोनों के नाम वर्ल्ड कप के नॉकआउट मैच में संयुक्त रूप से 8-8 गोल हैं।

नॉकआउट राउंड में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी

किलियन एम्बाप्पे (फ्रांस): 10 गोल (2018-2022-2026)
रोनाल्डो (ब्राजील): 8 गोल (1998-2002)
लियोनिडास (ब्राजील): 8 गोल (1934-1938)

फीफा वर्ल्ड कप के नॉकआउट में एम्बाप्पे के गोल – एम्बाप्पे ने 2018 संस्करण में राउंड ऑफ 16 में अर्जेंटीना के खिलाफ अपना पहला नॉकआउट मैच

खेलते हुए दो गोल के साथ अपनी नॉकआउट यात्रा शुरू की थी. बाद में, उन्होंने फाइनल मुकाबले में क्रोएशिया के खिलाफ गोल करके शानदार प्रदर्शन किया, जहां फ्रांस ने 4-2 से जीत हासिल कर खिताब जीता. 2022 संस्करण में, एम्बाप्पे ने राउंड ऑफ 16 में पोलैंड के खिलाफ दो गोल किए और फिर अर्जेंटीना के खिलाफ फाइनल में हैट्रिक लगाई, लेकिन फ्रांस पेनल्टी शूटआउट में फाइनल हार गया. अब, दो गोल के साथ, एम्बाप्पे ने अपने गोल की संख्या 10 तक पहुंचा दी है।

गोल्डन बूट की रेस में मेसी से आगे निकले एम्बाप्पे – एम्बाप्पे ने राउंड ऑफ 32 के मैच में दो गोल किए. जिसके साथ उसके जारी टूर्नामेंट में गोलों की संख्या छह हो गई है और वो अर्जेंटीना के महान खिलाड़ी लियोनेल मेसी के बराबर पहुंच गए, लेकिन दो असिस्ट के कारण वो गोल्डन बूट की रेस में उनसे आगे निकल गए हैं। इसके अलावा वर्ल्ड कप में एमबाप्पे के अब तक कुल 18 गोल हो गए हैं, जो टूर्नामेंट के इतिहास में दूसरे सबसे ज्यादा गोल हैं. उन्होंने जर्मनी के फुटबॉल लेजेंड मिरोस्लाव क्लोज के 16 गोल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है. इस लिस्ट में उनसे आगे सिर्फ लियोनेल मेसी (19) हैं. आने वाले दिनों में इन दोनों स्टार खिलाड़ियों के बीच स्थिति में बदलाव लगभग तय है. अब जब राउंड ऑफ 16 में फ्रांस का सामना पैराग्वे से होगा, तो एम्बाप्पे के पास अपने गोल की संख्या और बढ़ाने का मौका होगा। एमबाप्पे के इस विश्व कप में अब छह गोल हो चुके हैं और वह गोल्डन बूट की दौड़ में लियोनेल मेस्सी की बराबरी पर पहुंच गए हैं। वहीं, विश्व कप इतिहास में उनके कुल गोलों की संख्या 18 हो गई है।

अंडर-15 चैंपियनशिप

अथर्व शर्मा के 93 रनों की बदौलत मेरठ स्पार्टन्स फाइनल में पहुंची

गाजियाबाद (एजेंसी)। अथर्व शर्मा (93) की शानदार पारी की बदौलत मेरठ स्पार्टन्स ने फ्यूचर स्टार अंडर-15 चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बना ली है। जहां उसका मुकाबला दूसरे सेमीफाइनल की विजेता करीम कैपिटल्स चार्जर्स से होगा। पहले समीफाइनल में अथर्व शर्मा के (93) रनों की बदौलत मेरठ स्पार्टन्स ने सोनीपत किंग्स को 91 रनों से हराया। जबकि दूसरे सेमीफाइनल में सिद्धार्थ तोमर के 65 रनों की मदद से करीम कैपिटल चार्जर्स ने नोएडा ब्लेज को छह विकेट से मात दी। अथर्व शर्मा के 93 रन और अयान सिद्दीकी के चार विकेट ने सोनीपत किंग्स को हराया मेरठ स्पार्टन्स ने अथर्व शर्मा की 57 गेंदों में 93 रनों की पारी के दम पर 5 विकेट पर 216 रन बनाए; ओपनर बल्लेबाज़ ने क्रीज पर लंबे समय तक टिककर 17 चौके जड़े। जवाब में सोनीपत किंग्स कभी भी जीत के करीब नहीं पहुंच पाई। कुणाल नागर (60) ने ही कुछ संघर्ष किया, जबकि अयान सिद्दीकी ने 19 रन देकर 4 विकेट लिए और टीम को 125 रन पर ऑल-आउट करके 91 रनों से जीत दिलाई। अर्थव शर्मा को' प्लेयर ऑफ द मैच 'का पुरस्कार मिला। दूसरे समीफाइनल में सिद्धार्थ तोमर की फ़फ़िटी ने करीम कैपिटल चार्जर्स को नोएडा ब्लेज़ पर जीत दिलाई नोएडा ब्लेज ने चार विकेट पर 160 रन बनाए, जिसमें आकिब सैफी (39) और सक्षम असवाल (38 नाबाद) ने ज्यादातर रन बनाए। करीम कैपिटल चार्जर्स ने एक ओवर बाकी रहते हुए लक्ष्य हासिल कर लिया। सिद्धार्थ तोमर ने 46 गेंदों में 65 रन बनाए और प्रियांशु यादव ने 36 रन का योगदान दिया, जिससे टीम ने छह विकेट से जीत दर्ज की। सिद्धार्थ तोमर को' प्लेयर ऑफ द मैच 'के पुरस्कार से नवाजा गया

भारत और इंग्लैंड मैच से पहले अभिषेक शर्मा को लगा बड़ा झटका

● ईशान किशन ने छीना नंबर वन का ताज

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच टी20 सीरीज शुरू होने से पहले टीम इंडिया के धाकड़ बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को बड़ा झटका लगा है. वो अब टी20 के नंबर वन बल्लेबाज नहीं रहे. ये स्थान अब उनके साथी ईशान किशन ने हासिल कर लिया है। इसके साथ ही अभिषेक का लगभग एक साल से टॉप पर बने रहने का दबदबा खत्म हो गया है. बुधवार को जारी ड्डष्टष्ट की ताजा रैंकिंग में किशन ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की. वो अब 876 रेटिंग पॉइंट्स के साथ पहले नंबर पर हैं. अभिषेक अब किशन से सिर्फ सात रेटिंग पॉइंट पीछे हैं। इसके अलावा किशन अब विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव जैसे दिग्गजों की उस खास लिस्ट में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने टी-20 क्रिकेट में नंबर 1 रैंकिंग हासिल की है. वे ऐसा करने वाले चौथे भारतीय पुरुष बल्लेबाज बन गए हैं।

आईसीसी टी-20 के टॉप 5 बल्लेबाज

ईशान किशन – 876 रेटिंग
अभिषेक शर्मा – 869 रेटिंग
साहिबजादा फरहान – 848 रेटिंग
फिल साल्ट – 792 रेटिंग
पाथुम निसांका – 751 रेटिंग

ट्रेविस हेड बने नंबर वन टेस्ट बल्लेबाज

आईसीसी की ताजा रैंकिंग में एक और बड़े बदलाव देखने को मिला. जिसमें ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड अपने करियर में पहली बार टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में नंबर वन स्थान पर पहुंच गए हैं. उन्होंने ये स्थान इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक को पछाड़कर हासिल की है. ब्रूक दूसरे स्थान पर खिसक गए, जबकि रूट दो स्थान नीचे गिरकर तीसरे स्थान पर आ गए। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी के दूसरे स्थान पर खिसकने के बाद, भारत के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टेस्ट गेंदबाजी की रैंकिंग में फिर से नंबर 1 स्थान हासिल कर लिया है।

बेल्जियम दौरे के लिए भारतीय जूनियर हॉकी टीम का ऐलान, अनमोल इक्का को मिली कप्तानी

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय हॉकी टीम ने 5 से 18 जुलाई तक होने वाले बेल्जियम दौरे के लिए 22 सदस्यीय जूनियर (अंडर-21) पुरुष टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कप्तानी डिफेंडर अनमोल इक्का करेंगे। यह दौरा नए मुख्य कोच फ्रेडरिक सोयेज के मार्गदर्शन में भारतीय जूनियर टीम का पहला अंतरराष्ट्रीय असाइनमेंट होगा। यह दौरा इस साल के आखिर में होने वाले जूनियर एशिया कप की तैयारियों के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। यूरोप की मजबूत टीमों के खिलाफ खेलने से खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव मिलेगा और टीम को अपने संयोजन व रणनीति को परखने का मौका भी मिलेगा।

ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, जर्मनी और नीदरलैंड से होगी भिड़ंत – भारत इस दौरे पर कुल छह मुकाबले खेलेगा। टीम

ऑस्ट्रिया और मेजबान बेल्जियम के खिलाफ दो-दो मैच खेलेगी, जबकि जर्मनी और नीदरलैंड के खिलाफ एक-एक मुकाबला होगा।

भारत का कार्यक्रम
7 जुलाई - ऑस्ट्रिया
8 जुलाई - ऑस्ट्रिया
10 जुलाई - बेल्जियम
13 जुलाई - जर्मनी
14 जुलाई - बेल्जियम
17 जुलाई - नीदरलैंड

कांस्य पदक जीतने वाली टीम के कई खिलाड़ी शामिल – अनमोल इक्का, एडरोहित इक्का, अजीत यादव और रोहित कुल्लू उस भारतीय टीम का हिस्सा रहे थे जिसने पिछले साल तमिलनाडु में आयोजित जूनियर हॉकी विश्व कप में कांस्य पदक जीता था। इन खिलाड़ियों से एक बार फिर टीम को शानदार प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

कोच फ्रेडरिक सोयेज ने क्या कहा- मुख्य कोच फ्रेडरिक सोयेज ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यह दौरा टीम को हर स्तर पर बेहतर बनाएगा। उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि यह दौरा हमारे खेल, टीम संयोजन, रणनीतिक अनुशासन और अहम मौकों पर बेहतर प्रदर्शन करने में मदद करेगा। साथ ही खिलाड़ियों के बीच एकता और आत्मविश्वास भी मजबूत होगा।' सोयेज ने आगे कहा, 'यह दौरा खिलाड़ियों को शीर्ष स्तर की अंतरराष्ट्रीय हॉकी की मांगों को समझने और लगातार अच्छा प्रदर्शन करने की मानसिकता विकसित करने में भी मदद करेगा।'

भारतीय जूनियर टीम
गोलकीपर: विवेक लाकड़ा, कुणाल तेवतिया
डिफेंडर: अनमोल इक्का, रोहित कुल्लू, चिराग, रविंदर, प्रशांत बारला, संजीत टिर्की, वी मणिमारन
मिडफील्डर: एडरोहित इक्का, हरपाल, जीतपाल, मुक्केश टोप्पो, मन्नू मलिक, रितिक लाकड़ा
फॉरवर्ड: अजीत यादव, प्रभदीप सिंह, अर्जुन हरगुडे, आर्यन सेस, लवनूर सिंह, मोहम्मद कोनैन दाद, गुरुसेवक सिंह।

विंबलडन 2026

रोमांचक मुकाबले में बेरेटिनी से हारे वावरिंका, भावुक अंदाज में कहा अलविदा

इटली (एजेंसी)। तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्टैन वावरिंका का विंबलडन सफर भावुक अंदाज में समाप्त हो गया। पहले दौर में इटली के माटेओ बेरेटिनी ने चार घंटे 20 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में वावरिंका को 6-7(7), 7-6(16), 7-6(7), 7-6(5) से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। मैच के बाद वावरिंका ने स्वीकार किया कि अब उनके करियर को अलविदा कहने का समय आ गया है।

चार घंटे 20 मिनट तक चला रोमांचक मुकाबला – 41 साल और 106 दिन की उम्र में पुरुष एकल ड्रॉ के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी वावरिंका ने बेरेटिनी को कड़ी टक्कर दी। उन्होंने पहला सेट टाई-ब्रेक में 9-7 से अपने नाम किया, लेकिन 2021 विंबलडन फाइनलिस्ट बेरेटिनी ने दूसरे सेट का बेहद रोमांचक टाई-ब्रेक 18-16 से जीतकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया।

टाई-ब्रेक में बेरेटिनी ने दिखाई दमदार वापसी – अंधेरा होने के बाद सेंटर कोर्ट की छत बंद कर दी गई, लेकिन मुकाबले का रोमांच कम नहीं हुआ। तीसरे सेट में बेरेटिनी ने सर्विस ब्रेक

हासिल किया, हालांकि वावरिंका ने तुरंत वापसी कर ब्रेक वापस ले लिया। इसके बाद बेरेटिनी ने लगातार दो टाई-ब्रेक जीतकर मैच अपने नाम कर लिया और दूसरे दौर का टिकट कटाया।

वावरिंका के जज्बे ने जीता दर्शकों का दिल – आखिरी अंक के बाद स्कोरबोर्ड पर बेरेटिनी की जीत दर्ज थी, लेकिन सेंटर कोर्ट तालियों से वावरिंका के लिए गूंज उठा। स्विस दिग्गज ने उम्र के इस पड़ाव पर भी जिस जज्बे और संघर्ष का प्रदर्शन किया, उसने इस मुकाबले को विंबलडन 2026 के शुरुआती दौर के सबसे यादगार मैचों में शामिल कर दिया।

'जिससे प्यार हो, उसे अलविदा कहना आसान नहीं' – मैच के बाद भावुक वावरिंका ने कहा, 'जिस चीज़ से आप इतना प्यार करते हैं, उसे अलविदा कहना कभी आसान नहीं होता। मैं हमेशा इस खेल के लिए जुनूनी रहा हूं और शुक्रगुजार हूं कि मुझे यहां आखिरी बार खेलने का मौका मिला। इससे बेहतर विदाई की मैं कल्पना भी नहीं कर सकता था। मैं संन्यास नहीं लेना चाहता, लेकिन अब रुकने का समय आ गया है। इतने लंबे समय तक खेलने की वजह आज रात जैसे पल ही थे।'

2026 सीजन के अंत में लेंगे संन्यास – वावरिंका पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि वह 2026 सीजन के अंत में पेशेवर टेनिस को अलविदा कह देंगे। दूसरी ओर, इस जीत के साथ बेरेटिनी ने एक बार फिर विंबलडन में लंबा सफर तय करने की अपनी उम्मीदें मजबूत कर ली हैं।

राजस्थान के 5 तीरंदाजों का विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए भारतीय टीम में चयन

जयपुर(एजेंसी)। भारतीय तीरंदाजी संघ द्वारा 26 से 29 जून तक भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई), सोनीपत (हरियाणा) में आयोजित चयन ट्रायल के आधार पर राजस्थान के पांच प्रतिभाशाली तीरंदाजों का विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए भारतीय टीम में चयन किया गया है. यह राजस्थान के लिए अत्यंत गर्व एवं हर्ष का विषय है। राजस्थान आर्चरी एसोसिएशन के महासचिव सुरेन्द्र सिंह गुर्जर ने बताया कि अनुज कुमार और सब-जूनियर कंपाउंड बालक वर्ग में आर्यन पारीक का चयन एशियाई युवा तीरंदाजी चैंपियनशिप (दुबई, संयुक्त अरब अमीरात) के लिए किया गया है. इसी प्रकार जूनियर रिकर्व महिला वर्ग की प्रतिभाशाली तीरंदाज प्रांजल ठोलिया एवं खुशी कुमावत का चयन एशियाई युवा तीरंदाजी चैंपियनशिप (दुबई, संयुक्त अरब अमीरात), कोरिया आमंत्रण तीरंदाजी प्रतियोगिता (केएए इनविटेशनल टूर्नामेंट) और एशिया कप तीरंदाजी प्रतियोगिता (चीन एवं इराक) के लिए हुआ है. वहीं जूनियर कंपाउंड पुरुष वर्ग के सचिन चेहची का चयन एशिया कप तीरंदाजी प्रतियोगिता (चीन एवं इराक) के लिए किया गया है। तीरंदाजी का स्तर बढ़ रहाः राजस्थान आर्चरी एसोसिएशन के महासचिव सुरेन्द्र सिंह गुर्जर ने बताया कि राजस्थान के खिलाड़ियों का लगातार अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए भारतीय टीम में चयन होना राज्य में तीरंदाजी के बढ़ते स्तर का प्रमाण है. उन्होंने कहा कि सभी खिलाड़ी आगामी प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश एवं प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

आस्ट्रेलिया 8वीं बार महिला टी20 विश्व कप के फाइनल में

सेमीफाइनल में वेस्टइंडीज को 8 विकेट से रौंदा

ओवल (एजेंसी)। मंगलवार को 'द ओवल' में खेले गए पहले सेमीफाइनल में, छह बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने वेस्ट इंडीज़ को आसानी से हराकर विमेंस ङ्क20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में अपनी जगह

पक्की कर ली। पहले गेंदबाजी करने का फैसला करते हुए, ऑस्ट्रेलियाई स्पिनरों ने वेस्टइंडीज को 125 रन पर रोक दिया और फिर 13 ओवर में ही इस आसान लक्ष्य को हासिल कर लिया।

मिडिल ओवरों में वेस्टइंडीज का 12 रन पर 4 विकेट गंवाना उन पर भारी पड़ा. इसकी वजह से मैच का रुख पूरी तरह ऑस्ट्रेलिया के पक्ष में मुड़ गया और वेस्टइंडीज के पास बचाव के लिए बहुत कम रन बचे।

ऑस्ट्रेलिया की तरफ से बेथ मूनी के 36 गेंद में नाबाद 61 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें आठ चौकों शामिल थे. जबकि गार्डनर ने अपनी पारी में चार चौके और एक छक्का की मदद 20 गेंद में 35 रन बनाए।

इससे पहले जॉर्जिया वोल (16) और फीबी लिचफील्ड (चार) सस्ते में आउट हो गई थी जबकि एलिसे पैरी चोट लगने के बाद दो के स्कोर पर 'रिटायर्ड हर्ट' होकर लौट गई। मूनी और गार्डनर ने हालांकि आस्ट्रेलिया का महिला क्रिकेट में दबदबा कायम रखते हुए एक और फाइनल में पहुंचाया जहां रविवार को उनका सामना दक्षिण अफ्रीका या इंग्लैंड से होगा। इससे पहले वेस्टइंडीज की शुरूआत काफी खराब रही और 11वें ओवर में सिर्फ 59 के स्कोर पर उसके चार विकेट गिर चुके थे. कप्तान हीली मैथ्यूज (28 गेंद में 30 रन) और शेमेइन कैंपबेल (25 गेंद में 22) को छोड़कर कोई बल्लेबाज टिककर खेल नहीं सकी. आस्ट्रेलिया के लिये कप्तान सोफी मोलिनू, जॉर्जिया वेयरहैम और एशले गार्डनर ने दो दो विकेट लिये।

एमसीसी की मानद आजीवन सदस्यता से सम्मानित हुए पुजारा, कहा- इंग्लैंड दूसरे घर जैसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेतेश्वर पुजारा ने अपने टेस्ट करियर के दौरान आस्ट्रेलिया में कुछ बेहतरीन पारियां खेली लेकिन हाल ही में एमसीसी की आजीवन सदस्यता पाने वाले इस पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने कहा कि इंग्लैंड उन्हें दूसरे घर जैसा लगता है। भारतीय टीम के साथ तीन बार इंग्लैंड का दौरा करने वाले पुजारा काउंटी क्रिकेट में कई टीमों के लिए खेल चुके हैं। उन्होंने राजकोट के बाद अपना सबसे अधिक समय इंग्लैंड में बिताया है।

प्रसिद्ध लॉर्ड्स स्टेडियम में स्थित मैरीलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) की मानद आजीवन सदस्यता से सम्मानित पुजारा ने कहा, 'मैं काउंटी क्रिकेट में काफी खेला हूं। इसलिए जब आप वहां बहुत क्रिकेट खेलते हैं तो आपको घर जैसा महसूस होने लगता है। मेरे लिए स्ष्टष्ट का हिस्सा बनना बहुत खुशी और सौभाग्य की बात है।' इस 38 वर्षीय खिलाड़ी ने इंटरव्यू में कहा, 'स्ष्टष्ट की मानद सदस्यता मिलना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। एक क्रिकेटर के तौर पर जब आपने अपने पूरे करियर में कड़ी मेहनत की हो और जब उसे पहचान मिले तो फिर आपको अपनी उपलब्धियों पर गर्व महसूस होता है।'

पुजारा ने लॉर्ड्स में जो तीन टेस्ट मैच खेले हैं, उनमें से भारत ने दो मैच जीते। भारत की तरफ से वह इस ऐतिहासिक मैदान पर शतक नहीं लगा पाए लेकिन उन्होंने ससेक्स की तरफ से खेलते हुए यहां दोहरा शतक लगाया है। भारत की तरफ से 103 टेस्ट मैच खेलने वाले पुजारा दुनिया के सभी प्रसिद्ध मैदानों पर खेले हैं लेकिन लॉर्ड्स में खेलने का अनुभव कुछ अलग ही होता है।

उन्होंने कहा, 'लॉर्ड्स में क्रिकेट खेलने और वहां क्रिकेट देखने की मेरी कुछ अच्छी यादें हैं। 2011 में मेरे घुटने की सर्जरी लंदन में हुई थी और इसके लिए जब मैं वहां डॉक्टर से सलाह ले रहा था, तो मैंने लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड का का दौरा किया। क्योंकि उससे पहले मैं कभी लॉर्ड्स में नहीं खेला था।' पुजारा ने कहा, 'जब आप उस मैदान में कदम रखते हैं, तो उसका एक अलग ही माहौल और अलग ही ऊर्जा होती है। जब आप एमसीसी के आजीवन सदस्य बन जाते हैं, तो आपको वहां जाकर क्रिकेट देखने का विशेषाधिकार मिल जाता है। मेरा बचपन से ही सपना था कि मैं वहां क्रिकेट खेलूं।'

श्रीसंत को केरल क्रिकेट संघ से बड़ी राहत, तीन साल का प्रतिबंध हटाया, चेतावनी भी दी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल क्रिकेट संघ (केसीए) ने पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर एस श्रीसंत पर पिछले साल लगाए गए तीन साल के प्रतिबंध को बुधवार को हटा लिया। यह प्रतिबंध संघ के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी करने के कारण लगाया गया था।

केसीए के बयान के मुताबिक उसने अपनी विशेष आम बैठक में प्रतिबंध हटाने का फैसला किया। बयान में कहा गया है कि यह फैसला क्रिकेटर के बिना शर्त माफी मांगने और केसीए के खिलाफ अपनी टिप्पणी के लिए खेद जताने के बाद किया गया। बयान के अनुसार श्रीसंत पर यह प्रतिबंध पिछले केरल क्रिकेट लीग के मुकाबलों से पहले लगाया गया था। हालांकि, एसोसिएशन ने श्रीसंत को चेतावनी दी कि भविष्य में ऐसा कोई भी व्यवहार करने पर उनके खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

प्रतिबंध हटने के बाद श्रीसंत केरल क्रिकेट लीग के तीसरे सीजन में 'एरीज कोल्लम सेलर्स' फ्रैंचाइजी के सह-मालिक के तौर पर बने रह सकेंगे। चष्ट ने पिछले चष्टरु सीजन से पहले यह प्रतिबंध लगाया था।

अमेरिका के कमर्शियल कच्चे तेल के भंडार में 60.72 लाख बैरल की गिरावट आई

नई दिल्ली।

अमेरिका में कच्चे तेल का भंडार लगातार घट रहा है, जिसका असर वैश्विक तेल बाजार पर भी देखने को मिल रहा है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक पिछले सप्ताह अमेरिका के कमर्शियल कच्चे तेल के भंडार में 60.72 लाख बैरल की गिरावट आई। इससे पहले वाले सप्ताह में भंडार 7.65 लाख बैरल घटा था। इस खबर के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हल्की तेजी देखने को मिली।

ब्रेंट क्रूड 73.19 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 69.77 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। अमेरिकन पेट्रोलियम इंस्टीट्यूट के मुताबिक पिछले 11 हफ्तों में अमेरिका के कमर्शियल कच्चे तेल के भंडार में कुल 5.94 करोड़ बैरल की कमी आ चुकी है। हालांकि, इस साल अब तक कुल कच्चे तेल का भंडार सिर्फ 80 लाख बैरल ही घटा है, क्योंकि सरकार लगातार अपने स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व से तेल जारी कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले सप्ताह स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व में भी 55 लाख बैरल की कमी आई। इसके बाद यह घटकर 32.57 करोड़ बैरल रह गया। यह रिजर्व अपनी अधिकतम क्षमता से करीब 39.9 करोड़ बैरल कम है। इस बीच अमेरिका का कच्चे तेल का उत्पादन बढ़कर 1.3819 करोड़ बैरल प्रति दिन पहुंच गया। वहीं ओक्लाहोमा के कुशिंग हब में कच्चे तेल का भंडार 5.03 लाख बैरल बढ़ा है।

1 जुलाई से वीबी-जी राम जी कानून लागू, अब 125 दिन मिलेगा रोजगार

-औसतन मजदूरी में 10फीसदी से ज्यादा बढ़ोतरी, 300 से कम नहीं मिलेगी

नई दिल्ली।

1 जुलाई से पूरे देश में वीबी-जी राम जी अधिनियम लागू हो गया है, जिसके तहत अब ग्रामीण परिवारों को 100 की जगह 125 दिनों के रोजगार की गारंटी मिलेगी। सरकार ने रोजगार के दिनों में 25 दिन की बढ़ोतरी के साथ मजदूरी दर भी बढ़ाई है। नए नियम के मुताबिक अब किसी भी राज्य में दैनिक मजदूरी 300 रुपए से कम नहीं होगी और औसतन मजदूरी में 10फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी की गई है।ये कदम विकसित भारत के तहत केंद्र सरकार के द्वारा उठाया गया है। इससे लाखों ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ने के साथ-साथ असमानता भी कम होगी। सरकार द्वारा दी कई जानकारी के मुताबिक पूरे देश के 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में ये मजदूरी बढ़ोतरी की गई है। पहले कई जगहों पर 241 रुपए ही मजदूरी मिलती थी, लेकिन अब हर जगह 300 रुपए तक की मजदूरी दी जाएगी। ये इंटरिम बेस रेट लागू किया गया है। साथ ही नेशनल ऐवरेज मजदूरी पहले 298.8 रुपए प्रतिदिन थी जोकि बढ़कर अब 327.4 रुपए हो गई है यानी ऐवरेज देखें तो 28.6 रुपए की बढ़त की गई है। यह बड़ा बदलाव मनरेगा से वीबी-जी राम जी कानून में आने के बाद हुआ है। इससे ग्रामीण मजदूरों की इनकम को सुरक्षा, मजबूती और पुराने नियम जिनसे मजदूरों को फायदा नहीं मिलता था, वह परेशानी भी दूर होगी।

सोना-चांदी की कीमतों में नरमी

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में नरमी आई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्सा) पर दोनों कीमती धातुओं में गिरावट आई है। एमसीएक्स पर सोने का वायदा भाव 1301 रुपए टूटकर 1,41,230 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया। वहीं इसी प्रकार चांदी की कीमत में भी गिरावट दर्ज की गयी है। ये 4166 रुपए टूटकर 2,24,397 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुँच गई है। इस गिरावट का प्रभाव अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी देखा गया, जहाँ शुरुआती कारोबार में सोने और चांदी दोनों की ही कीमतें घटी हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के सर्राफा बाजार में गत दिवस भी सोने की कीमतों में गिरावट आई थी। 99.9 फीसदी शुद्धता वाले सोने का भाव 800 रुपए घटकर 1,45,800 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया, जो पिछले सत्र में 1,46,600 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। यह दिखाता है कि भौतिक बाजार में सोने की खरीदारी में अभी भी कमजोरी बनी हुई है।वहीं इसके विपरीत, सर्राफा बाजार में चांदी में तेजी आई जिससे निवेशक हैरान को गये। लगातार चार सत्रों की गिरावट का सिलसिला तोड़ते हुए, चांदी की कीमत में 6,000 रुपए की तेजी रही और यह 2,30,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुँच गई। इससे पिछले सत्र में चांदी का भाव 2,24,000 रुपए प्रति किलोग्राम था। बाजार विश्लेषकों का मानना है कि घरेलू बाजार में सोने पर दबाव बना रहा, लेकिन हालिया गिरावट के बाद चांदी में निचले स्तर पर खरीदारी देखी गई।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 443 निफ्टी 140 अंक ऊपर आया

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर में मिले-जुले संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 443.97 अंक बढ़कर 76,922.64 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 140.10 अंक बढ़कर 24,005.85 पर बंद हुआ। आज रियल्टी, एफएमसीजी और मीडिया शेयर्स में सबसे ज्यादा खरीदारी रही जिससे भी बाजार को बल मिला। आज कारोबार के दौरान करीब 158 शेयरों में तेजी रही जबकि 1935 शेयरों में गिरावट आई। वहीं 165 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। निफ्टी पर सबसे ज्यादा बढ़त वाले शेयरों में नेस्ले इंडिया, एचयूएल और एशियन पेंट्स शामिल थे जबकि सबसे अधिक गिरावट वाले शेयरों में एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टेक महिंद्रा, टीसीएस, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और टाटा स्टील का स्टॉक शामिल है।बाजार में अगर सेक्टर के

हिसाब से देखें तो रियल्टी इंडेक्स में 3 बढ़त देखने को मिली। वहीं एफएमसीजी और मीडिया इंडेक्स में 2-2 फीसदी की बढ़त रही। ऑटो और पीएसयू बैंक इंडेक्स में भी 1-1 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। आईटी इंडेक्स में 2 फीसदी की गिरावट आई, मेटल इंडेक्स 1फीसदी और फार्मा इंडेक्स में 0.5फीसदी की गिरावट रही।इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ शुरु हुआ।

1 जुलाई से कॉमर्शियल सिलेंडर 180 रुपए सस्ता तो कार खरीदना हुआ महंगा

-घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दामों में कोई बदलाव नहीं, बिना टिकट यात्रा पर डबल जुर्माना

नई दिल्ली।

1 जुलाई यानी बुधवार से देश में आम आदमी की जेब, रसोई और सफर से जुड़े 6 बड़े नियम बदल गए हैं। कॉमर्शियल सिलेंडर 180 रुपए सस्ता तो पासपोर्ट बनवाना महंगा हो गया है। ट्रेन में बिना टिकट सफर करने पर दोगुना जुर्माना लगेगा। तेल कंपनियों ने 1 जुलाई से कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में औसतन 180 तक की बड़ी कटौती कर दी है। हालांकि, 14 किलो वाले घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दामों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।दिल्ली में अब नया दाम 2930.00 हो गया है जो पहले 3113.50 था यानी 183.50 रुपए की कमी आई है। कोलकाता में नई कीमत 3081.50 है जो पहले 3255.50 थी यानी 174 रुपए की कमी, मुंबई में पुराना दाम 3067.50 था जो अब घटकर 2885.50 रुपए रह गया है यानी 182.00 की कमी और चेन्नई में पहले इसकी कीमत 3283.00 थी जो अब कम होकर 3106 रुपए हो गई है यानी 177 की कमी। इसके घटने से रेस्टोरेंट, होटल और शादियों में कैटरिंग का खर्च कम होगा, जिससे आम जनता के लिए भी बाहर खाना और नाश्ता सस्ता हो सकता है। कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम घटने से रेस्टोरेंट मालिकों का खर्च घटेगा। ऐसे में वे चाय, नाश्ते और थाली सस्ते कर सकते हैं। शादियों की कैटरिंग भी सस्ती हो सकती है।पेट्रोलियम मंत्रालय ने देश में पेट्रोल-डीजल की किल्लत को देखते हुए 11 जून को एक गाड़ी में एक दिन में सिर्फ 200 लीटर डीजल भरने की जो सीमा लगाई थी, उसे अब उसे खत्म कर दिया गया है। वहीं अब पेट्रोल पंपों पर एक गाड़ी में एक दिन में सिर्फ 200 लीटर डीजल भरने की सीमा खत्म हो गई है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने 11 जून को पेट्रोल-डीजल की किल्लत की वजह से ये पाबंदियां लगाई थीं।

डॉलर के मुकाबले रुपये में बड़ी गिरावट

मुम्बई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 67 पैसे की बड़ी गिरावट के साथ 95.23 पर बंद हुआ। यह गिरावट वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में बढ़ती अनिश्चितता और घरेलू मोर्चे पर चुनौतियों का स्पष्ट संकेत दे रही है, जिसका सीधा असर देश की आयात लागत और महंगाई दर पर पड़ने की आशंका है।विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने रुपये की इस तेज गिरावट के पीछे कई प्रमुख कारकों का हवाला दिया है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अमेरिकी डॉलर का लगातार मजबूत होना एक बड़ा कारण रहा है, क्योंकि वैश्विक निवेशक अस्थिरता के बीच सुरक्षित निवेश के रूप में डॉलर की ओर रुख कर रहे हैं। इसके साथ ही, भारतीय बाजारों से विदेशी पूंजी की लगातार निकासी ने भी रुपये पर भारी दबाव डाला है। विदेशी संस्थागत निवेशक लाभ बुकिंग और वैश्विक जोखिमों के चलते भारतीय इक्विटी और ऋण बाजारों से अपना निवेश निकाल

रहे हैं, जिससे डॉलर की मांग बढ़ रही है और रुपया कमजोर हो रहा है।

इसके अलावा, एशियाई मुद्राओं में व्यापक कमजोरी भी रुपये की गिरावट में सहायक रही, क्योंकि लगभग सभी प्रमुख एशियाई मुद्राएं डॉलर के मुकाबले कमजोर हुई हैं। अमेरिकी डॉलर इंडेक्स का 95 के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार करना भी बाजार की धारणा को कमजोर करने वाला एक प्रमुख कारक साबित हुआ है, जिसने निवेशकों के आत्मविश्वास को हिला दिया है।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में बुधवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.67 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 94.60 के निचले स्तर से 95.29 के उच्च स्तर तक के दायरे में रहा, जो दिन भर की तीव्र अस्थिरता को दर्शाता है। अंततः, यह पिछले बंद भाव की तुलना में 67 पैसे कम होकर 95.23 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

चांदी 43प्रतिशत और सोना 20फीसद तक लुढ़का

शेयर बाजार में भी भारी अस्थिरता, निवेशकों की बढ़ी चिंता

नई दिल्ली ।

साल 2026 के पहले छह महीनों में सोना, चांदी और शेयर बाजार तीनों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। रिकॉर्ड स्तर से सोना करीब 20 प्रतिशत तक सस्ता हो गया है, जबकि चांदी में लगभग 43 प्रतिशत की भारी गिरावट आई है। वहीं, शेयर बाजार भी दबाव में रहा और सेंसेक्स करीब 11 प्रतिशत तक फिसल गया। विशेषज्ञों के अनुसार अमेरिका की ब्याज दरों को लेकर अनिश्चितता, डॉलर की मजबूती और पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव का असर वैश्विक बाजारों पर पड़ा है। इन परिस्थितियों ने निवेशकों का भरोसा कमजोर किया, जिससे कीमती धातुओं और शेयर बाजार दोनों में बिकवाली बढ़ी। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि आने वाले समय में वैश्विक आर्थिक संकेतकों, केंद्रीय बैंकों की नीतियों और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम पर निवेशकों की नजर रहेगी। हालात सामान्य होने तक बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रहने की संभावना जताई जा रही है।

एएमएफआई की नई कंपनियों की सूची जल्द हो सकती है जारी

इस बार कई कंपनियों की श्रेणी में बदलाव देखने को मिल सकता है

नई दिल्ली।

भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग के लिए अहम मानी जाने वाली एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) की नई लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप कंपनियों की सूची जल्द जारी हो सकती है। 30 जून को श्रेणी निर्धारण की कट-ऑफ तिथि पूरी होने के बाद अब बाजार की निगाहें नई सूची हैं। इस सूची के आधार पर म्यूचुअल फंड हाउस अपनी निवेश रणनीति तैयार करते हैं और कई फंड मैनेजर पोर्टफोलियो में जरुरी बदलाव करते हैं। एक रिसर्च के मुताबिक इस बार कई कंपनियों की श्रेणी में बदलाव देखने को मिल सकता है। रिपोर्ट में अनुमान जताया गया है कि नई कैटेगरी एक अगस्त 2026 से प्रभावी हो सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि किसी कंपनी का लार्जकैप, मिडकैप या स्मॉलकैप श्रेणी में शामिल होना या उससे बाहर होना इस बात की गारंटी नहीं है कि उसमें तुरंत निवेश बढ़ जाएगा या बिकवाली शुरू हो जाएगी। फिर भी फंड मैनेजर निवेश संबंधी फैसलों में इस सूची को अ हम आधार मानते हैं।रिपोर्ट के मुताबिक बीएसई, वोडाफोन आइडिया, हिताची एनर्जी इंडिया, जिंदल स्टील, इंडियन बैंक, इंडस टावर्स, बिलियनब्रेन्स गैरेज वेंचर्स, बीएचईएल और वेदांता एल्युमिनियम के लार्जकैप श्रेणी में शामिल होने की संभावना है। दूसरी ओर लोढ़ा डेवलपर्स, इंडियन होटल्स, मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स, मैक्स हेल्थकेयर, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया, डॉ. रेड्डीज लेबोरेट्रीज, हीरो मोटोकॉर्प, सीमेंस एनर्जी इंडिया और बॉश के लार्जकैप से मिडकैप श्रेणी में आने का अनुमान लगाया है। मिडकैप श्रेणी में हिंदुस्तान कॉपर, एनएलसी इंडिया, एआईए इंजीनियरिंग, अजंता फार्मा, एस्टर डीएम हेल्थकेयर, सोना बीएलडब्ल्यू प्रिसीजन फोर्जिंग्स, नवीन फ्लोरीन इंटरनेशनल और डेल्हीवरी को जगह मिल सकती है।

डॉलर इंडेक्स बढ़कर 101.3 के करीब पहुंचा, मजबूती की वजह बॉन्ड यील्ड में तेजी

नई दिल्ली।

अमेरिका से आने वाले अहम रोजगार के आंकड़ों से पहले अमेरिकी डॉलर में फिर मजबूती देखने को मिली है। बुधवार को डॉलर इंडेक्स बढ़कर 101.3 के करीब पहुंच गया। इससे पहले हफ्ते की शुरुआत में इसमें कुछ कमजोरी देखने को मिली थी। डॉलर को मजबूती मिलने की बड़ी वजह अमेरिकी सरकारी बॉन्ड यील्ड में आई तेजी है। मंगलवार को 10 साल की अमेरिकी बॉन्ड यील्ड करीब 10 बेसिस प्वाइंट बढ़ी, जिससे डॉलर को सपोर्ट मिला।जारी आंकड़ों के मुताबिक मई महीने में अमेरिका में खाली नौकरियां पिछले दो साल के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गईं। इससे संकेत मिलता है कि भले ही नई भर्तियों की रफ्तार धीमी हुई हो, लेकिन श्रम बाजार अभी भी मजबूत है। अब निवेशकों की नजर अमेरिका के मासिक रोजगार आंकड़ों पर है। इन आंकड़ों से यह संकेत मिल सकता है कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व आगे ब्याज दरों को लेकर क्या कदम उठा सकता है। फिलहाल बाजार को उम्मीद है कि फेड इस साल कम से कम एक बार ब्याज दरें बढ़ा सकता है। निवेशकों के मुताबिक इसके लिए सितंबर सबसे पहला संभावित समय हो सकता है। इसके अलावा निवेशक कतर में चल रही अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता पर भी नजर रख रहा हैं। इस बातचीत का असर वैश्विक बाजारों और डॉलर की चाल पर पड़ सकता है।

शेयर बाजार इस माह करेगा बेहतर प्रदर्शन! निजी बैंकिंग व ज्वेलरी सेक्टर में ज्यादा संभावनाएं

ब्रोकरेज ने जुलाई सीरीज के लिए 10 शेयरों में खरीदारी की दी सलाह

नई दिल्ली।

जून महीने में उतार-चढ़ाव के दौर से गुजरने के बाद भारतीय शेयर बाजार जुलाई सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर सकता है। एक ताजा रिपोर्ट में जुलाई के लिए बाजार पर सकारात्मक रुख जताया है। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दस सालों के आंकड़े बताते हैं कि जुलाई सीरीज में निफ्टी ने 80 फीसदी मामलों में बढ़त दर्ज की है और औसतन 3.1 फीसदी का रिटर्न दिया है। हालांकि ब्रोकरेज ने यह भी कहा है कि 24,700 का स्तर बाजार के लिए अहम प्रतिरोध साबित हो सकता है।रिपोर्ट के मुताबिक जुलाई में सबसे ज्यादा संभावनाएं निजी बैंकिंग और ज्वेलरी सेक्टर में दिखाई दे रही हैं। ब्रोकरेज का मानना है कि निजी बैंकों के शेयर बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। इसके साथ ही टाइटन और कल्याण ज्वेलर्स जैसी आभूषण कंपनियों पर भी निवेशकों को नजर बनाए रखने की सलाह दी गई है। इन कंपनियों के आगामी कारोबारी अपडेट शेयरों में अच्छी हलचल पैदा कर सकते हैं। जून सीरीज के प्रदर्शन पर नजर डालें तो निफ्टी करीब 0.2 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। मिडकैप सूचकांक में 0.8 फीसदी की कमजोरी रही, जबकि स्मॉलकैप सूचकांक ने 3.3 फीसदी की बढ़त दर्ज की। सेक्टरवार प्रदर्शन में मीडिया, रियल्टी, निजी बैंक, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, फार्मा और वित्तीय सेवा कंपनियों ने बेहतर रिटर्न दिया। दूसरी ओर सूचना प्रौद्योगिकी, धातु, एफएमसीजी और ऊर्जा क्षेत्र के शेयर दबाव में रहे।ब्रोकरेज रिपोर्ट के मुताबिक जून सीरीज में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने करीब 3.3 अरब डॉलर के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 8.3 अरब डॉलर का निवेश किया गया।

मार्च 2026 में बैंकों का एनपीए घटकर 0.4 फीसद रहा, कृषि क्षेत्र में फंसे कर्ज का दबाव

46 बैंकों का कुल जीएनपीए अनुपात मार्च 2028 तक 1.9 फीसदी पहुंचने की संभावना

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक की जारी वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट के मुताबिक अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की सकल और शुद्ध गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां मार्च 2026 के अंत तक घटकर क्रमशः 1.8 फीसदी और 0.4 फीसदी रह गईं। रिपोर्ट के मुताबिक बैंकों की परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार सभी बैंक समूहों में देखने को मिला। सभी प्रमुख आर्थिक क्षेत्रों में ऋण की गुणवत्ता बेहतर हुई है और कृषि क्षेत्र में सकल गैर निष्पादित परिसंपत्तियां अनुपात सबसे ज्यादा 5.1 फीसदी रहा। मार्च 2026 तक अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के कुल जीएनपीए में कृषि क्षेत्र की हिस्सेदारी 37.2 फीसदी रही जो सबसे ज्यादा है।

जांच के मुताबिक सामान्य स्थिति में 46 बैंकों का कुल जीएनपीए अनुपात मार्च 2026 के 1.8 फीसदी से बढ़कर मार्च 2028 तक 1.9 फीसदी होने की संभावना है। वहीं दो तरह के प्रतिकूल हालात में यह बढ़कर क्रमशः 3.8 फीसदी और 4.1 फीसदी तक पहुंच सकता है। पहले प्रतिकूल हालात में माना गया कि भू-राजनीतिक तनाव और बढ़ेगा, ऊर्जा की कीमतें ऊंची बनी रहेंगी और विनिमय दर पर दबाव रहेगा। इससे 2026-27 में घरेलू महंगाई बढ़ेगी और आर्थिक वृद्धि की रफ्तार धीमी होगी। हालांकि, 2027-28 में हालात धीरे-धीरे सुधरने की संभावना है। दूसरे प्रतिकूल हालात में यह अनुमान लगाया गया है कि भू-राजनीतिक संघर्ष लंबे समय तक जारी रहेंगे और 2027-28 तक और ज्यादा क्षेत्रों में फैल सकते हैं। इससे दोनों वर्षों में महंगाई और आर्थिक वृद्धि पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।रिपोर्ट के मुताबिक चुने गए 46 बैंकों का कुल सामान्य इक्विटी टियर-1 पूंजी अनुपात मार्च 2026 के 15.2 फीसदी से घटकर मार्च 2028 तक सामान्य स्थिति में 13.9 फीसदी रह सकता है। आंकड़ों के मुताबिक मार्च 2026 के अंत तक अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआर) 17.7 फीसदी और कॉमन इक्विटी टियर-1 अनुपात 15.3 फीसदी रहा।

सार्वजनिक क्षेत्र और निजी क्षेत्र, दोनों के बैंकों ने मार्च 2026 में पूंजी पर्याप्तता अनुपात में बढ़ोतरी दर्ज की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह वृद्धि जोखिम-भारित परिसंपत्तियों की तुलना में पूंजी में ज्यादा तेजी से हुई बढ़ोतरी के कारण संभव हुई।

अप्रैल-मई में केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा 1.62 लाख करोड़ रुपए हुआ

पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 12 गुना से ज्यादा

नई दिल्ली।

अप्रैल-मई में केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा तेजी से बढ़कर करीब 1.62 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 12 गुना से ज्यादा है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रिकॉर्ड अधिशेष हस्तांतरण के बावजूद राजस्व संग्रह पर बढ़ते दबाव की वजह से सरकार का घाटा बढ़ा है। सीजीए द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक करीब 1.62 लाख करोड़ रुपए के घाटे की वजह से यह राजकोषीय घाटे के 19.96 लाख करोड़ रुपए बजट अनुमान का करीब 9.6 फीसदी हिस्सा है। अप्रैल-मई 2025 में राजकोषीय घाटा बजट अनुमान का केवल 0.8 फीसदी था।

सरकार की राजस्व प्राप्तियां अप्रैल-मई में करीब 6.99 लाख करोड़ रहीं, जो पिछले साल की इसी अवधि के करीब 7.08 लाख करोड़ रुपए से कम है। कर राजस्व और गैर कर राजस्व दोनों में एक फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। कुल प्राप्तियां अप्रैल-मई में 2 फीसदी घटकर करीब 7.19 लाख करोड़ रुपए रहीं, जो बजट अनुमान का करीब 20 फीसदी है। कर राजस्व में अप्रैल-मई में सरकार का उत्पाद शुल्क संग्रह करीब 2.12 लाख करोड़ रुपए रहा, जो करीब 20 फीसदी कम है। यह मार्च के अंत में पेट्रोल और डीजल पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क में की गई कटौती की वजह से हुआ है। सरकार ने दोनों ईंधनों पर प्रति लीटर करीब 10 रुपए उत्पाद शुल्क कम किया था।

राजस्व में कमी के बावजूद सरकार ने खासकर पूंजी सृजन पर खर्च की गति बनाए रखा। अप्रैल-मई में सरकार के पूंजीगत व्यय में 13 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि हुई और यह करीब 2.51 लाख करोड़ रुपए हो गया। इस प्रकार, सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए अपने करीब 12.22 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत व्यय लक्ष्य का करीब 21 फीसदी पहले दो महीनों में ही पूरा कर लिया है। रिजर्व बैंक से करीब 2.87 लाख करोड़ रुपए का रिकॉर्ड लाभांष हस्तांतरण किया गया, जिसके कारण इस महीने गैर-कर राजस्व करीब 13 फीसदी बढ़कर करीब 3.27 लाख करोड़ रुपए हो गया। केंद्रीय बैंक से अप्रत्याशित लाभांश के कारण सरकार ने लगातार तीसरे वर्ष मई में राजकोषीय अधिशेष दर्ज किया।इक्रा लिमिटेड की मुख्य अर्थशास्त्री ने कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव कम होने के बाद वैश्विक ऊर्जा कीमतों में आई तेज गिरावट से वित्त वर्ष 2027 में सरकार की राजकोषीय स्थिति सुधरी है।

जून में जीएसटी संग्रह ने छुआ नया रिकॉर्ड, 1.95 लाख करोड़ के पार

महाराष्ट्र फिर रहा शीर्ष पर, तमिलनाडु में गिरावट

नई दिल्ली।

जून 2026 में देश का सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह 1.95 लाख करोड़ रुपये के नए रिकॉर्ड स्तर को छू गया है। बुधवार 1 जुलाई को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, यह आंकड़ा बीते साल इसी महीने की तुलना में 13.9 प्रतिशत अधिक है। पिछली बार जून 2025 में यह संग्रह 1.71 लाख करोड़ रुपये था, जिससे मौजूदा वृद्धि वित्तीय स्थिरता में सकारात्मक रुझान का संकेत देती है।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, घरेलू लेनदेन से प्राप्त सकल जीएसटी संग्रह 6.5 प्रतिशत बढ़कर करीब 1.35 लाख करोड़ रुपये रहा, जबकि आयात से राजस्व में 34.6 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज हुई, जो 60,038 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। सिर्फ सकल राजस्व ही नहीं, बल्कि रिफंड चुकाने के बाद केंद्र सरकार की शुद्ध कमाई भी शानदार रही है। शुद्ध आधार पर, भारत सरकार के खाते में 1,62,377 करोड़ रुपये आए हैं, जो बीते साल के मुकाबले 11.2 प्रतिशत ज्यादा है। इस महीने कुल 32,436 करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया गया, जो पिछले साल के 25,121 करोड़ रुपये की तुलना में 29.1 फीसदी अधिक है।

वहीं जीएसटी टैक्स के अलग-अलग हिस्सों में भी सकारात्मक रुझान देखने को मिला। केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) 8 फीसदी बढ़कर 37,376 करोड़ रुपये दर्ज किया गया, जबकि राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) 4 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 45,116 करोड़ रुपये हो गया। घरेलू लेनदेन से होने वाला इंटीग्रेटेड जीएसटी (आईजीएसटी) भी 7 प्रतिशत की बढ़त के साथ 52,282 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।वहीं राज्यों के जीएसटी कलेक्शन में महाराष्ट्र ने फिर अपना दबदबा कायम रखा, जिसका संग्रह 9 प्रतिशत बढ़कर 30,714 करोड़ रुपये हो गया। वृद्धि दर के मामले में उत्तर प्रदेश 19 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ सबसे आगे रहा और कुल संग्रह 9,165 करोड़ रुपये दर्ज किया। गुजरात (12 प्रतिशत बढ़कर 11,743 करोड़), कर्नाटक (10 प्रतिशत बढ़कर 12,937 करोड़) और हरियाणा (9 प्रतिशत बढ़कर 10,065 करोड़) जैसे प्रमुख राज्यों ने भी बेहतर प्रदर्शन किया।

पुतिन के मिसाइल हमलों से दहला यूक्रेन, 12 की मौत; रूस ने औद्योगिक शहरों को बनाया निशाना

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहा तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है, जहां युद्ध की आग केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रह गई है। हाल के हुए हमलों में ऊर्जा और बुनियादी ढांचे को निशाना बनाए जाने से न केवल यूक्रेन में बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान हुआ है, बल्कि रूस के भीतर भी ईंधन संकट पैदा हो गया है।

यूक्रेन में रूसी मिसाइलों का तांडव

रूस की ओर से सोमवार को किए गए भीषण हवाई हमलों ने यूक्रेन के कई शहरों को दहला दिया। ये हमले उस समय हुए जब लोग अपने घरों से बाहर खुले स्थानों पर मौजूद थे, जिसके कारण हताहतों की संख्या काफी अधिक रही है। प्रशासनिक अधिकारियों का मानना है कि मलबे और गंभीर रूप से घायलों की स्थिति को देखते हुए मरने वालों का आंकड़ा अभी और बढ़ सकता है।

सबसे दर्दनाक मंजर यूक्रेन के निप्रो शहर में देखने को मिला, जहां एक रूसी मिसाइल सीधे एक मिनी बस से जा टकराई। इस हमले में 6 निर्दोष लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और 29 अन्य घायल हो गए। इसके अलावा, यूक्रेन के नियंत्रण वाले जपोरीजिया क्षेत्र में भी रूसी हमलों ने 3 लोगों की जान ले ली, जबकि खार्कीव में एक युवती की मौत और 10 लोगों के घायल होने की खबर सामने आई है।

रूस के भीतर 'तेल का अकाल': यूक्रेन ने भी इस युद्ध में अपनी रणनीति बदलते हुए रूस के आर्थिक और ऊर्जा केंद्रों पर सीधा प्रहार किया है। यूक्रेनी सेना ने रूस की कई बड़ी रिफायनरियों, तेल-गैस गोदामों और प्रमुख पाइपलाइनों को निशाना बनाया है। इन सटीक हमलों का परिणाम यह हुआ है कि रूस की राजधानी मास्को सहित देश के दक्षिणी हिस्सों और रूसी नियंत्रण वाले क्रीमिया में पेट्रोलियम पदार्थों का गंभीर संकट पैदा हो गया है। रूसी अधिकारियों को मजबूरन इन क्षेत्रों में ईंधन की बिक्री को सीमित करना पड़ा है। यूक्रेन के इन हमलों ने न केवल रूस की घरेलू आपूर्ति व्यवस्था को हिला दिया है, बल्कि उसके अंतरराष्ट्रीय तेल और गैस निर्यात को भी बुरी तरह प्रभावित किया है।

पुतिन की उच्चस्तरीय बैठक: यूक्रेन का आरोप है कि रूस जानबूझकर उसके प्रमुख औद्योगिक शहरों निप्रो, जपोरीजिया और खार्कीव को निशाना बना रहा है ताकि नागरिक सुविधाओं और अर्थव्यवस्था को ध्वस्त किया जा सके। रूस के इन हमलों से यूक्रेन को जान और माल दोनों का भारी नुकसान उठाना पड़ा है। दूसरी ओर, रूस के भीतर बिगड़ती स्थिति को देखते हुए राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक आपातकालीन उच्चस्तरीय बैठक बुलाई। बैठक के दौरान पुतिन ने स्वीकार किया कि तेल ठिकानों पर हमलों के बाद स्थिति काफी मुश्किल बनी हुई है। हालांकि, उन्होंने दावा किया कि इस संकट पर जल्द ही नियंत्रण पा लिया जाएगा और इसके लिए सरकार ने युद्धस्तर पर प्रयास शुरू कर दिए हैं।

खाजूवाला विधायक डॉ मेघवाल का हुआ नोखा में हुआ जगह-जगह स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज.नोखा।

बुधवार को नोखा में निजी कार्यक्रम में पहुंचे खाजूवाला विधायक डॉ विश्वनाथ मेघवाल का यहां विभिन्न जगहों पर पार्टी कार्यकर्ताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओ की ओर से स्वागत सत्कार किया गया। निजी यात्रा पर पहुंचे डॉ मेघवाल का बीकानेर रोड़ स्थित होटल द रॉयल इन में युवा व्यवसायी बजरंग जोशी व भाजपा नेता गणपत सोनी के नेतृत्व में साफा व माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। वहीं होटल गोविन्दम में सरपंच प्रतिनिधि हजारीराम ज्याणी व देहात मण्डल अध्यक्ष पवन राठी के नेतृत्व में स्वागत किया गया। इस दौरान बृजलाल बेनीवाल, भगवानाराम भादू, सम्पत सुथार, किशन छिम्पा, जुगल राजस्थानी, लालचन्द गोदारा, राधेश्याम नाई, राजू गट्टाणी, मनोज मूंधड़ा, कुम्भाराम हिमटसर, सतपाल सिंह पड़िहार, मोहित पंचारिया आदि मौजूद रहे। इससे पूर्व बागड़ी सत्संग भवन के पास पहुंचे डॉ मेघवाल का भारतीय मजदूर संघ की ओर से प्रेमसुख बिश्नोई व भंवरसिंह के नेतृत्व में भी भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान सहायक अभियंता प्रमोद बारूपाल, बीएमएस के नरेंद्र छिम्पा, महेश मीणा, संदीप पुनिया, रमेश राजपुरोहित आदि के नेतृत्व में स्वागत किया

संक्षिप्त समाचार

गुरुग्राम में चलती कार की छत पर स्टंट, पुलिस ने दर्ज किया केस- वीडियो

नई दिल्ली, एजेंसी। सोशल मीडिया पर रील और वीडियो बनाने के चक्कर में यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाने वालों के खिलाफ गुरुग्राम पुलिस ने अब पूरी तरह सख्ती बरतनी शुरू कर दी है। दिल्ली-जयपुर हाईवे पर चलती कार की छत पर बैठकर सफर करने और स्टंट करने का एक वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने इसका तुरंत संज्ञान लेते हुए सदर थाने में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

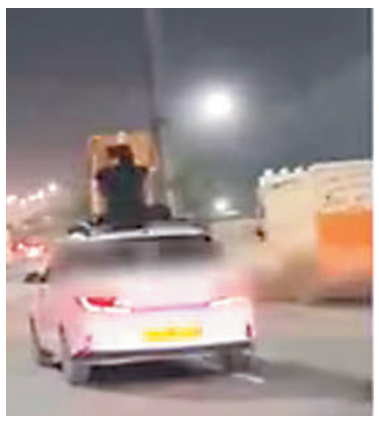

कार की छत पर खतरनाक स्टंट- वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि एक युवक हाईवे पर चलती गाड़ी की छत पर बैठकर खतरनाक स्टंट कर रहा है, जिससे न सिर्फ उसकी जान को खतरा था, बल्कि सड़क पर चल रहे अन्य वाहन चालकों का जीवन भी गंभीर संकट में पड़ गया था।

आरोपी की हुई पहचान- पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए जांच के दौरान आरोपी की पहचान कर ली है और उसे नियमानुसार नोटिस जारी किया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर आगामी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

लापरवाही बर्दाश्त नहीं- गुरुग्राम पुलिस ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि सार्वजनिक सड़कों पर चलते वाहन की छत पर बैठना, लापरवाही से गाड़ी चलाना, ओवरस्पीडिंग करना या दूसरों की जान-माल को खतरे में डालना गंभीर अपराध है। ऐसे मामलों में किसी भी तरह की ढिलाई नहीं बरती जाएगी और दोषियों के खिलाफ कठोरतम कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

9 फीसदी की भारी बढ़ोतरी- इस बीच गुरुग्राम की चमचमाती और रफ्तार भरने वाली सड़कें अब जिंदगी के लिए सबसे बड़ा खतरा बनती जा रही हैं। सड़क सुरक्षा समिति की रिपोर्ट के मुताबिक, शहर की सड़कों पर होने वाली दुर्घटनाओं में पिछले वर्षों के मुकाबले नौ फीसदी की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। बीते दो वर्ष के दौरान अलग-अलग हादसों में 952 लोगों की मौत हो चुकी है। शहर की चार सड़कों पर 20 फीसदी से अधिक सड़क हादसे रात के समय में हुए है।

जेब खाली मिली तो भड़क गए लुटेरे, दिल्ली में शख्स की चाकू से गोद कर हत्या

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के सागरपुर इलाके में रविवार सुबह हुई हत्या के मामले में सागरपुर थाना पुलिस ने दो नाबालिगों को दबोच लिया है, जबकि मुख्य आरोपी अभी फरार है। पुलिस की पूछताछ में मामले में हैरान करने वाला खुलासा हुआ है। आरोपियों ने युवक की हत्या सिर्फ इसलिए कर दी क्योंकि उसके बाद लूट के लिए कुछ नहीं था। नाबालिगों ने उसे लूटने के इरादे से रोका। लेकिन तलाशी में उसके पास कुछ नहीं मिला, तो नाबालिगों ने उस पर चाकू से हमला कर दिया और मौके से फरार हो गए। राहगीरों से सूचना मिलने के बाद पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने हत्या की धारा में केस दर्ज कर दो नाबालिगों को गिरफ्तार कर लिया। मुख्य आरोपी की तलाश में छापेमारी चल रही है। पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि मृतक 45 वर्षीय सुनील उर्फ पप्पी नसीरपुर इलाके रहता था और बेराजगार था। पुलिस को रविवार सुबह करीब 6-20 बजे नासिरपुर रोड पर एक व्यक्ति के अचेत अवस्था में पड़े होने की सूचना मिली।

दिल्ली में पेट्रोल-सीएनजी वाले दोपहिया और

ऑटो के नए रजिस्ट्रेशन पर लगाई गई रोक

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने राजधानी में प्रदूषण कम करने और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए नई इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी 2026-2030 को मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को बताया- नई नीति 1 जुलाई 2026 से लागू होने की संभावना है।

इस नीति के तहत 1 जनवरी 2027 से दिल्ली में केवल इलेक्ट्रिक ऑटो-रिक्शा का ही नया रजिस्ट्रेशन होगा, जबकि 1 अप्रैल 2028 से नए पेट्रोल और सीएनजी से चलने वाले दोपहिया वाहनों का रजिस्ट्रेशन बंद कर दिया जाएगा।

30000 से 50000 तक मिलेगी सब्सिडी- नई ईवी नीति के पहले साल में इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद को बढ़ावा देने के लिए सरकार सब्सिडी भी देगी। अधिकारियों के मुताबिक, इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन खरीदने पर 30,000 रुपये और इलेक्ट्रिक तीन पहिया वाहन

खरीदने पर 50,000 रुपये तक की सब्सिडी मिलेगी। हालांकि, हाइब्रिड वाहनों के लिए किसी तरह की सब्सिडी का प्रावधान नहीं किया गया है।

दिल्ली के प्रदूषण का 23 फीसदी हिस्सा वाहनों से आता

दिल्ली सरकार का कहना है कि नई ईवी नीति का मुख्य उद्देश्य राजधानी में बढ़ते वायु प्रदूषण पर नियंत्रण पाना और स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देना है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में होने वाले कुल वायु प्रदूषण का लगभग 23 प्रतिशत हिस्सा वाहनों से निकलने वाले उत्सर्जन के कारण होता है। ऐसे में सरकार का मानना है कि इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देकर प्रदूषण के स्तर में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। नई नीति में सिर्फ इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री बढ़ाने पर ही जोर नहीं दिया गया है, बल्कि उनके उपयोग के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे (इन्फ्रास्ट्रक्चर) और पूरे ईवी इकोसिस्टम को मजबूत करने का भी रोडमैप तैयार किया गया है।

हरनंदीपुरम टाउनशिप की डीपीआर जल्द होगी तैयार, जीडीए ने फाइनल की कंसल्टेंट एजेंसी

नई दिल्ली, एजेंसी। गाजियाबाद में बनने वाली हरनंदीपुरम टाउनशिप की डीपीआर और लेआउट जल्द तैयार होगा। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने इसके लिए कंसल्टेंट एजेंसी तय कर ली है। अब एजेंसी को इसकी डीपीआर तैयार कर प्राधिकरण को देनी होगी। फिर प्राधिकरण के अधिकारी डीपीआर का अध्ययन करेंगे। यदि सब सही रहा तो फिर इसका लेआउट तैयार कराया जाएगा।

521 हेक्टेयर में बसेगी टाउनशिप

राजनगर एक्सटेंशन के पास यह नई टाउनशिप हरनंदीपुरम बसाई जाएगी। दो चरण में प्रस्तावित यह टाउनशिप कुल 521 हेक्टेयर में बसेगी, जिसमें आठ गांव की जमीन किसानों से खरीदी जाएगी। पहले चरण में पांच गांव की 350 हेक्टेयर जमीन पर टाउनशिप बसाई जाएगी। इस टाउनशिप को बसाने के लिए जीडीए किसानों से करीब 336 हेक्टेयर जमीन खरीद रहा है। इसमें से करीब 55 हेक्टेयर जमीन का प्राधिकरण ने बैनामा करा लिया है, जबकि 115 हेक्टेयर जमीन पर किसानों से आपसी सहमति बन चुकी है।

करीब दो महीने में तैयार हो सकती है डीपीआर

वहीं, प्राधिकरण ने योजना का पहला फेज लॉन्च करने की तैयारी शुरू कर दी है। पहले फेज की डीपीआर लेआउट तैयार करने को एजेंसी भी तय कर ली है। एजेंसी के प्रजेंटेशन से प्राधिकरण के अधिकारी भी संतुष्ट नजर आए। अब एजेंसी को इसकी डीपीआर तैयार करनी होगी। बताते हैं कि करीब एक से दो महीने में वह इसकी डीपीआर तैयार कर प्राधिकरण को सौंप देगी। इसके बाद प्राधिकरण के अधिकारी इसका अध्ययन करेंगे। यदि सब कुछ सही पाया गया तो एजेंसी से लेआउट तैयार कराया जाएगा। नहीं तो डीपीआर में संशोधन कराने के बाद लेआउट तैयार कराएंगे।

होटल के कमरे में नकली नोट छाप रहा था इंजीनियर

नेटवर्क खंगालने में जुटी फरीदाबाद पुलिस

नई दिल्ली, एजेंसी। फरीदाबाद पुलिस की क्राइम ब्रांच और सूरजकुंड थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक इंजीनियर को दबोचा है जो होटल के एक कमरे में नकली नोट छाप रहा था। आरोपी नोएडा की एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में काम करता है। पुलिस ने होटल के कमरे से लैपटॉप, प्रिंटर, विशेष कागज और नकली नोट बरामद किया है। आरोपी को अदालत में पेश किया गया। अदालत ने उसको 2 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर के पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है। आरोपी की पहचान फरीदाबाद के सेक्टर-17 निवासी विनायक झा के रूप में हुई है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आरोपी इंजीनियर दो दिन से होटल में ठहरा था, लेकिन कमरा लॉक करके गायब हो गया। आरोपी पर शक होने के बाद होटल के कर्मचारियों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने होटल के कमरे से एक लैपटॉप, एक प्रिंटर, नोट छापने में इस्तेमाल होने वाला कागज, 500 रुपये का नकली नोट और 100 रुपये के 10 नकली नोट बरामद किए गए हैं। इसके साथ ही नकली नोट छापने से संबंधित अन्य सामग्री भी जब्त की गई है। आरोपी विनायक झा ने वीआईटी, बेंगलुरु से स्नातक की पढ़ाई की है।

सूरजकुंड थाने में केस

आरोपी नोएडा स्थित एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में आईटी क्षेत्र में काम कर रहा है। सोमवार को होटल के एक कमरे में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने पर टीम मौके पर पहुंची लेकिन तब कमरे में कोई मौजूद नहीं था। तलाशी के दौरान पुलिस को नकली नोट और उनसे संबंधित अन्य सामग्री बरामद हुई। पुलिस ने सभी सामान जब्त कर सूरजकुंड थाने में केस दर्ज कर लिया है।

विभिन्न पहलुओं पर पूछताछ

पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि आरोपी से विभिन्न पहलुओं पर पूछताछ की जा रही है। पुलिस को उम्मीद है कि पूछताछ में महत्वपूर्ण जानकारियां मिल सकती हैं। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इतनी अच्छी शिक्षा लेने के बावजूद आरोपी ऐसी आपराधिक गतिविधि में कैसे शामिल हो गया।

आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को मिल सकती है ये नई सुविधा

भीड़-जाम में आएगी कमी

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के व्यस्त स्टेशनों में शामिल आनंद विहार टर्मिनल पर भीड़ कम करने के लिए यहां दूसरा प्रवेश द्वार बनाने पर विचार किया जा रहा है। अभी आनंद विहार टर्मिनल में केवल बस अड्डे की तरफ से ही प्रवेश की व्यवस्था है, जो प्लेटफॉर्म संख्या एक की तरफ है। रेलवे अधिकारी नई दिल्ली, पुरानी दिल्ली और निजामुद्दीन स्टेशन की तरह यहां भी दूसरी दिशा में प्रवेश द्वार बनाने की तैयारी कर रहे हैं। इसके लिए दूसरी तरफ रेलवे को भूमि की आवश्यकता है। सूत्रों की मानें तो जल्द ही रेलवे यहां भूमि के लिए दिल्ली सरकार से अनुरोध कर सकती है।

स्टेशन पर बढ़ाई जा रही प्लेटफॉर्म की संख्या- आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर न केवल दिल्ली बल्कि नोएडा और गाजियाबाद से भी बड़ी संख्या में यात्री सफर करने पहुंचते हैं। यहां रेलवे स्टेशन, बस अड्डा, मेट्रो स्टेशन, नमो भारत, ऑटो-टैक्सी आदि परिवहन के साधन उपलब्ध हो चुके हैं। इन सभी सेवाओं के बावजूद यहां अव्यवस्था देखने को मिलती है। रेलवे द्वारा आनंद विहार स्टेशन पर प्लेटफॉर्म की संख्या को बढ़ाया जा रहा है। इसके साथ ही आने वाले दिनों में यहां ट्रेनों की संख्या को भी बढ़ाया जाना है।

जल्द दो नई लाइन पहुंचेंगी

टर्मिनल आने वाले समय में दिल्ली के सबसे व्यस्त रेलवे स्टेशन में से एक होने वाला है। तिलक ब्रिज से आनंद विहार के बीच दो नई रेल लाइन बिछाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। आनंद विहार स्टेशन पर दो प्लेटफॉर्म की संख्या भी बढ़ाई जा रही है। नई दिल्ली स्टेशन से बीते दिनों कुछ गाड़ियों को आनंद विहार स्थानांतरित किया गया था, जबकि त्योहारों में कुछ गाड़ियों को स्थानांतरित करने की तैयारी है।

रेलवे, नमो भारत को जोड़ा जाएगा

बीते दिनों प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में हुई बैठक में जाम मुक्त टर्मिनल बनाने की योजना तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके तहत रेलवे स्टेशन, मेट्रो स्टेशन और नमी भारत को इस तरह से जोड़ा जाएगा ताकि सवारी को सड़क पर न उतरना पड़े।

बाइडन का ट्रंप पर निशाना कहा- लूजर, शान-शौकत को देते हैं ज्यादा अहमियत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने उत्तराधिकारी और मौजूदा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एक लूजर (असफल) व्यक्ति कहते हुए फिर से जुबानी हमला किया है। उन्होंने ट्रंप प्रशासन पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार, प्रक्रियाओं में विफलता और राष्ट्रीय कामकाज से ज्यादा अपनी निजी शान-शौकत को अहमियत देने का आरोप लगाया। हेनोवर में मेरीलैंड डेमोक्रेटिक पार्टी के एक फंडरेजिंग कार्यक्रम में बाइडन ने वाशिंगटन में जारी कई निर्माण व नवीनीकरण प्रोजेक्टों की निंदा भी की। उन्होंने वाशिंगटन डीसी में संरचनात्मक बदलावों पर निशाना साधा। उन्होंने व्हाइट हाउस के ईस्ट विंग में बदलाव, ट्रायम्फल आर्च (विजय स्मारक) के प्रस्तावित ढांचे और लिंकन मेमोरियल रिफ्लेक्टिंग पूल के बड़े पैमाने पर किए गए बदलावों की साफतौर पर निंदा की।

डोनाल्ड ट्रंप के दावे को ईरान ने किया खारिज, अमेरिका के साथ दोहा वार्ता अभी टली

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ईरान पीस वार्ता को लेकर एक बहुत बड़ी खबर सामने आ रही है जिसमें ईरान ने अमेरिका के साथ होने वाली बैठक को सिरे से नकार दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में घोषणा की थी कि दोनों देशों के अधिकारी कतर की राजधानी दोहा में मुलाकात करेंगे। लेकिन ईरान के विदेश मंत्रालय ने इस बात को पूरी तरह से गलत बताया है। यह बयान ट्रंप की घोषणा के कुछ ही घंटों बाद आया है जिससे नई अनिश्चितता पैदा हो गई है। ईरान ने स्पष्ट किया है कि अगले कुछ दिनों में अमेरिका के साथ किसी भी तरह की बातचीत का कोई कार्यक्रम निर्धारित नहीं है। हालांकि उनका एक प्रतिनिधिमंडल इस सप्ताह कतर की यात्रा जरूर करेगा लेकिन इसका अमेरिका से कोई लेना-देना नहीं है। इस बयान ने होर्मुज में जहाजों के गुजरने और नाजुक शांति समझौते को लेकर चल रही बातचीत पर पानी फेर दिया है। यह घटनाक्रम कूटनीतिक संबंधों के भविष्य को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

स्विट्जरलैंड शांति समझौते पर संकट: कुछ ही दिन पहले दोनों देशों के बीच स्विट्जरलैंड में सैन्य संघर्ष को खत्म करने के लिए एक महत्वपूर्ण डील हुई थी। ऐसा लग रहा था कि मिडिल ईस्ट में चल रही महाजंग अब खत्म होने की दिशा में आगे बढ़ रही है। लेकिन होर्मुज में जहाजों की आवाजाही को लेकर दोनों देशों के बीच फिर से गहरे मतभेद पैदा हो गए। इसके बाद ईरान के नए बयान ने शांति समझौते की लाइफलाइन को काफी कमजोर कर दिया है।

बमबारी और तनाव का नया दौर: ईरान द्वारा उठाए गए कुछ सख्त कदमों के जवाब में अमेरिका ने ईरान के कई शहरों में जमकर बमबारी की थी। इससे दोनों देशों के बीच तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंच गया था। परस्पर विरोधी बयानों ने दोनों मुल्कों के बीच कूटनीति के भविष्य को लेकर दुनिया भर में एक नई अनिश्चितता पैदा कर दी है। यह स्थिति वैश्विक शांति और व्यापार के लिए भी बहुत बड़ा खतरा बनती जा रही है।

14-सूत्रीय समझौते का क्या होगा: अमेरिका और ईरान पिछले चार महीने तक चले भयंकर संघर्ष को खत्म करने के प्रयास में जुटे हुए थे। दोनों देश एक 14-सूत्रीय समझौता ज्ञापन को बनाए रखने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। इसके तहत दोनों देशों ने सैन्य संघर्ष को रोकने और व्यापार के लिए होर्मुज को फिर से खोलने पर सहमति जताई थी। बातचीत रुकने से इन सभी अहम फैसलों के लागू होने पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं।

डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा दावा: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट करके पूरी दुनिया को चौंका दिया था। उन्होंने दावा किया था कि तेहरान ने खुद अमेरिका के साथ इस शांति बातचीत की गुजारिश की थी। बाद में व्हाइट हाउस ने भी इस अहम बैठक की पुष्टि करते हुए एक आधिकारिक बयान जारी किया था।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com